CNews सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-259
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

इंदौर, मंगलवार 24 दिसम्बर 2024

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

आज का विचार

'एक हज़ार मील सफलता की यात्रा की शुरुआत भी एक कदम से ही होती है।'

केंद्र सरकार ने आरटीई नियमों में किया संशोधन, 'नो-डिटेंशन पॉलिसी' खत्म

अब कक्षा 5वीं और 8वीं में फेल होने वाले बच्चे प्रमोट नहीं होंगे

नई दिल्ली। स्कूली शिक्षा में एक बड़ा बदलाव करते हुए केंद्र सरकार ने अपने द्वारा शासित स्कूलों में कक्षा 5वीं और 8वीं के लिए 'नो-डिटेंशन पॉलिसी' को खत्म कर दिया है, जो उन छात्रों को फेल करने की अनुमति देती है जो साल के अंत की परीक्षाओं में उत्तीर्ण नहीं हो पाते हैं। 2019 में शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) में संशोधन के बाद, कम से कम 16 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों ने पहले ही दोनों कक्षाओं के लिए 'नो-डिटेंशन पॉलिसी' को खत्म कर दिया है। एक गजट अधिसूचना के अनुसार, नियमित परीक्षा के आयोजन के बाद, यदि कोई बच्चा समय-समय पर अधिसूचित पदोन्नति मानदंडों को पूरा करने में विफल रहता है, तो उसे दो महीने की अवधि के भीतर अतिरिक्त निर्देश और पुनः परीक्षा का अवसर दिया जाएगा।

स्कूल से नहीं निकाला जाएगा- अधिसूचना में कहा गया है कि यदि पुनः परीक्षा में बैठने वाला बच्चा फिर से पास होने के मानदंडों को पूरा करने में विफल रहता है, तो उसे पांचवीं कक्षा या आठवीं कक्षा में रोक दिया जाएगा, जैसा भी मामला हो। बच्चे को रोके रखने के दौरान, कक्षा शिक्षक बच्चे के साथ-साथ यदि आवश्यक हो तो बच्चे के माता-पिता का मार्गदर्शन करेगा और मूल्यांकन के विभिन्न चरणों में सीखने के अंतराल की पहचान करने के बाद विशेष जानकारी प्रदान करेगा। हालांकि, सरकार ने स्पष्ट किया है कि प्रारंभिक शिक्षा पूरी होने तक किसी भी बच्चे को किसी भी स्कूल से नहीं निकाला जाएगा।

राज्य अपना निर्णय ले सकते हैं- शिक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, अधिसूचना केंद्रीय विद्यालयों, नवोदय विद्यालयों और सैनिक स्कूलों सहित केंद्र सरकार द्वारा संचालित 3,000 से अधिक स्कूलों पर लागू होगी। चूंकि स्कूली शिक्षा एक राज्य का विषय है, इसलिए राज्य इस संबंध में अपना निर्णय ले सकते हैं। दिल्ली सहित 16 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों ने पहले ही इन दो कक्षाओं के लिए नो-डिटेंशन पॉलिसी को खत्म कर दिया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हरियाणा और पुडुचेरी ने अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया है, जबकि शेष राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने नीति को जारी रखने का फैसला किया है।

इनकम टैक्स और लोकायुक्त की छापेमारी के बीच सीएम मोहन यादव ने अपना इरादा कर दिया साफ

किसी भी तरह का करप्शन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा

भोपाल। मध्यप्रदेश में इनकम टैक्स और लोकायुक्त की छापेमारी में बड़े भ्रष्टाचार का खुलासा हुआ है। पूरे देश में इस छापेमारी की चर्चा है। इसमें 2 क्विंटल चांदी की सिल्ली, 52 किलो सोना और करोड़ों रुपए कैश मिले हैं। बताया जा रहा है कि यह सारा खेल पूर्व आरटीओ सिपाही सौरभ शर्मा द्वारा किया गया है। सीएम मोहन यादव में इस भ्रष्टाचार पर अपना बयान दिया है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भोपाल में सोमवार को कहा कि मध्यप्रदेश में हमारी सरकार बनने के साथ ही, हमने कई सख्त और महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। टोल बैरियर पर वसूली से संबंधित शिकायतों का तुरंत समाधान किया गया और हमने ऐसी सभी गतिविधियों को रोक दिया। किसी भी हालत में किसी तरह के भी करप्शन को बर्दाश्त नहीं करेंगे। इससे निपटने के लिए किसी भी स्तर पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, राज्य सरकार देशभर में प्रगति को बढ़ावा देते हुए विकास पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखेगी।

सीएम यादव ने कहा कि जन कल्याण पर्व पखवाड़े के तहत मैंने सोमवार को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और हमारे उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला

के साथ विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करने के लिए सागर जिले का दौरा किया। ये प्रयास आने वाले दिनों में सागर, दतिया और पूरे बुंदेलखंड क्षेत्र में परिवर्तनकारी बदलाव लाएंगे।

सरकार ने बंद किए आरटीओ चेक पोस्ट- सीएम यादव ने कहा कि सभी टोल बैरियर पर जो वसूली चलती थी या टोल पर शिकायत थी, सबको हमारी सरकार ने बंद कर दिया। बता दें कि मोहन सरकार ने एक जुलाई से मप्र की अंतरराज्यीय सीमाओं पर परिवहन जांच चौकियां (आरटीओ चेक पोस्ट) बंद कर दी थी। नई व्यवस्था के तहत रोड सेफ्टी एंड इंफोर्समेंट चेकिंग पॉइंट बनाने की बात कही गई थी। पहले चरण में 45 चेक पॉइंट तैयार होने तक मोबाइल यूनिट गठित कर वाहनों की जांच करने की व्यवस्था शुरू की गई थी। प्रदेश में संचालित आरटीओ चेक पोस्ट पर लगातार गड़बड़ी की शिकायतें मिल रही थी। जिसके बाद सरकार ने इन्हें बंद कर दिया था। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश के बाद परिवहन विभाग ने इसके आदेश जारी किए थे।

कार्रवाई और तेज होने की उम्मीद- इस छापेमारी और उसके बाद के घटनाक्रम ने सरकार के भ्रष्टाचार विरोधी रुख को और स्पष्ट कर दिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के बयान से यह साफ है कि उनकी सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ किसी भी स्तर पर सख्त कार्रवाई करने में पीछे नहीं हटेगी। इसके अलावा, सौरभ शर्मा और उसके द्वारा किए गए अवैध लेन-देन से जुड़े दस्तावेजों के खुलासे से अब राज्य सरकार की भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई और तेज होने की उम्मीद जताई जा रही है।

कल आएंगे पीएम मोदी- सीएम यादव ने यह भी घोषणा की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 दिसंबर को केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना का उद्घाटन करने के लिए राज्य का दौरा करेंगे। उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है कि प्रधानमंत्री ,मोदी 25 दिसंबर को केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना का अनावरण करने के लिए हमारे बीच होंगे। इस महत्वाकांक्षी पहल का महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ेगा और मैं उनका मध्यप्रदेश में हार्दिक स्वागत करता हूं।

छापों के बीच मुख्यमंत्री दिल्ली पहुंचे- प्रदेश में लोकायुक्त और आयकर की कार्रवाई जारी है। इस बीच मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सोमवार देर शाम दिल्ली पहुंच गए। मंगलवार को भी उनकी बैठकें निर्धारित हैं। मुख्यमंत्री के दिल्ली दौरे को कई मायनों में अहम माना जा रहा है।

सौरभ शर्मा के खिलाफ एफआईआर दर्ज- भोपाल के आरटीओ के जिस पूर्व कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा के घर लोकायुक्त की टीम ने छापा मारा उसके खिलाफ आय से अधिक संपत्ति मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। इस मामले में लोकायुक्त ने सोमवार को सभी पांच आरोपी को समन जारी किया है। जिन लोगों को समन जारी किए हैं, उनमें सौरभ शर्मा, उसकी मां, पत्नी और चेतन सिंह गौर, शरद जयसवाल शामिल हैं। इस पूरे मामले को लेकर लोकायुक्त डीजी जयदीप प्रसाद ने बताया कि सौरभ के संबंध में फिलहाल कोई जानकारी नहीं है। मीडिया रिपोर्ट्स में उसके दुबई में होने की जानकारी मिली थी। मामले की जांच के लिए तीन टीमों का गठन किया है। हवाला के एंगल पर भी मामले की जांच कर रहे हैं। कैश और गोल्ड से भरी गाड़ी की भी जांच कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि कैश और गोल्ड से भरी कार के बारे में लोकल पुलिस ने लोकायुक्त को जानकारी नहीं दी थी। मीडिया रिपोर्ट्स से ही जानकारी मिली की कार चेतन सिंह की है।

चैंपियंस ट्रॉफी में भारत और पाकिस्तान मैच 23 फरवरी को यूएई में होगा

नई दिल्ली। चैंपियंस ट्रॉफी में भारत और पाकिस्तान मैच 23 फरवरी को खेला जाएगा। यह महामुकाबला यूएई के दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के सूत्रों ने बताया कि चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत के मैचों की मेजबानी के लिए संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के दुबई शहर को न्यूट्रल वेन्यू के रूप में चुना गया है। पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी और यूएई के मंत्री शेख नाहयान अल मुबारक के बीच बैठक हुई है। टूर्नामेंट का पहला मुकाबला 19 फरवरी को मेजबान पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच कराची में खेला जाएगा। फाइनल 9 मार्च को लाहौर में होगा। टीम इंडिया का पहला मैच 20 फरवरी को बांग्लादेश से होगा। टीम इंडिया अगर नॉकआउट के लिए क्वालीफाई करती है तो सेमीफाइनल और फाइनल भी दुबई में होंगे। भारतीय टीम का पहला मुकाबला 20 फरवरी को बांग्लादेश के साथ होगा, जबकि आखिरी मुकाबला 2 मार्च को न्यूजीलैंड से होगा। दोनों सेमीफाइनल (4 और 5 मार्च) व फाइनल के लिए एक रिजर्व डे भी रखा गया है।

बजट के दिन 1 फरवरी शनिवार को भी खुलेगा शेयर बाजार, होगी लाइव ट्रेडिंग

नई दिल्ली। एक फरवरी, शनिवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण केंद्रीय बजट पेश करेंगी और उस दिन शेयर बाजार कारोबार के लिए खुले रहेंगे। बीएसई और एनएसई ने सोमवार को इसका एलान किया। विशेष परिस्थितियों को छोड़कर, शेयर बाजार आमतौर पर शनिवार और रविवार को बंद रहते हैं। सीतारमण 1 फरवरी को वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए केंद्रीय बजट पेश करेंगी। बीएसई और एनएसई ने अलग-अलग परिपत्रों में कहा कि 2025-26 के केंद्रीय बजट के कारण शेयर बाजार 1 फरवरी, 2025, शनिवार को कारोबार के लिए खुले रहेंगे। ट्रेडिंग सामान्य समय के अनुसार सुबह 9.15 बजे से दोपहर 3.30 बजे तक संचालित होगी। पूर्व में भी, बजट जैसे महत्वपूर्ण मौकों पर छुट्टी के दिन बाजार में कारोबार हुआ है। 1 फरवरी 2020 और 28 फरवरी 2015 को बाजार खुले थे, जो दोनों शनिवार थे, और उस दिन केंद्रीय बजट पेश किए गए थे। वर्ष 2001 में बजट प्रस्तुत करने का समय शाम 5 बजे से बदलकर सुबह 11 बजे कर दिया गया था, जिसके बाद से शेयर बाजार हमेशा अपने सामान्य समय पर ही खुलते रहे हैं। एक्सचेंजों का मानना है कि निवेशकों और व्यापारियों को बजट प्रस्तुति के दौरान की गई प्रमुख घोषणाओं पर तुरंत प्रतिक्रिया देने का अवसर देना जरूरी है।

मशहूर फिल्म निर्माता श्याम बेनेगल का 90 साल की उम्र में निधन

मुंबई। मशहूर फिल्ममेकर श्याम बेनेगल का सोमवार शाम 6.30 बजे निधन हो गया। बेनेगल किडनी संबंधी दिक्कतों से परेशान थे। उन्होंने 14 दिसंबर को अपना 90वां जन्मदिन मनाया था। दिग्गज फिल्ममेकर श्याम बेनेगल को सिनेमा जगत में उनके अभूतपूर्व योगदान के लिए पद्मश्री और पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था। भारतीय सिनेमा जगत को नसीरुद्दीन शाह, अमरीश पुरी, स्मिता पाटिल, ओम पुरी और शबाना आजमी जैसे दिग्गज सितारे देने वाले श्याम को दादा साहब फाल्के सम्मान मिल चुका है और अपने कई दशकों के करियर में उन्होंने 8 नेशनल अवॉर्ड जीते थे। वेलकम टू सज्जनपुर से लेकर द मेकिंग ऑफ महात्मा गांधी तक श्याम बेनेगल के अचीवमेंट की लिस्ट बहुत लंबी है। श्याम बेनेगल की बेटी पिया बेनेगल ने दिग्गज फिल्ममेकर के निधन की पुष्टि करते हुए बताया कि श्याम बेनेगल का वॉकहार्ड हॉस्पिटल मुंबई सेंट्रल में शाम को निधन हो गया। शेखर कपूर ने श्याम बेनेगल को श्रद्धांजलि देते हुए सोशल मीडिया पर लिखा कि उन्होंने सिनेमा जगत में एक नई लहर पैदा की। **सबसे ज्यादा**

नेशनल अवॉर्ड जीतने का रिकॉर्ड- श्याम बेनेगल का जन्म साल 1934 में हैदराबाद के एक मिडिल क्लास परिवार में हुआ था। श्याम बेनेगल मशहूर एक्टर और फिल्ममेकर गुरुदत्त के कजिन हैं। श्याम बेनेगल की उपलब्धियों की लिस्ट लंबी है। कम लोग जानते हैं कि सबसे ज्यादा नेशनल अवॉर्ड जीतने का रिकॉर्ड श्याम बेनेगल के ही नाम है। सिनेमा जगत में शुरुआत की बात करें तो अंकुर उनकी पहली फिल्म थी लेकिन इसे बनाने से पहले श्याम बेनेगल ने कई एड एजेंसियों के लिए काम किया था। श्याम बेनेगल की बनाई फिल्मों की बात करें तो भूमिका, जुनून, कलयुग, मंडी, वेल डन अब्बा, त्रिकाल और आरोहण उनकी कुछ कमाल की रचनाओं में शामिल हैं।

लोकायुक्त के छापे से सरकारी महकमों में हड़कंप

आय से 84.95% ज्यादा संपत्ति का मालिक निकला सहायक प्रबंधक

इंदौर। इंदौर में लोकायुक्त पुलिस ने आय से अधिक संपत्ति के मामले में बड़ी कार्रवाई की है। आदिम जाति मर्यादित सहकारी संस्था पीथमपुर में पदस्थ सहायक प्रबंधक कनीराम मंडलोई के खिलाफ छापेमारी की गई। यह कार्रवाई इंदौर के अलंकार पैलेस स्थित उनके आवास सहित धार जिले के मानपुर और अन्य कुल पांच ठिकानों पर की गई। लोकायुक्त के अधिकारियों के अनुसार, मंडलोई पर आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के गंभीर आरोप थे। छापेमारी के दौरान उनके ठिकानों से बड़ी मात्रा में संपत्ति और महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए गए हैं। इस कार्रवाई में उनके भाई हेम सिंह, करण सिंह और दिनेश सिंह का नाम भी सामने आया है। लोकायुक्त के डीएसपी आरडी मिश्रा के मुताबिक कनीराम मंडलोई और उनके भाइयों ने कुल 5,60,02,400 रुपए की संपत्ति अर्जित की है। जांच में यह सामने आया कि इनकी कुल आय 3,02,80,000 रुपए थी। यह कमाई इनके ज्ञात आय स्त्रोतों से 84.95 प्रतिशत अधिक है। छापेमारी के दौरान संपत्तियों के दस्तावेज और अन्य कीमती सामान जब्त किए गए हैं। इनमें बैंकों में जमा राशि, जमीन के कागजात और अन्य मूल्यवान वस्तुएं शामिल हैं। प्रारंभिक जांच में पाया गया कि संपत्ति का बड़ा हिस्सा अवैध तरीकों से अर्जित किया गया है। इस मामले के तहत धार जिले के मानपुर में भी दो स्थानों पर छापेमारी की गई। लोकायुक्त अधिकारियों का कहना है कि इस कार्रवाई में और भी खुलासे होने की संभावना है। लोकायुक्त की इस कार्रवाई से सरकारी महकमों में हड़कंप मच गया है।

भारतीय शेयर बाजार के हर चार नए निवेशकों में एक महिला

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजारों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। आंकड़ों के अनुसार, हर चार 4 नए निवेशकों में से लगभग एक निवेशक महिला है। भारतीय स्टेट बैंक ने अपनी एक रिपोर्ट में यह दावा किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि बाजारों में भागीदारी बढ़ने के साथ ही 2021 से हर साल लगभग तीन करोड़ नए डीमैट खाते खुले हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2021 से, औसतन हर साल लगभग 30 मिलियन नए डीमैट खाते खुले हैं, उनमें लगभग हर 4 में से 1 महिला निवेशक है। भारतभर के शेयर बाजारों में महिलाओं की भागीदारी में लगातार वृद्धि दर्ज की जा

रही है,निवेशकों के पंजीकरण के मामले में दिल्ली सबसे आगे है, उसके बाद महाराष्ट्र और तमिलनाडु का स्थान है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 22 से व्यक्तिगत निवेशक पंजीकरण में महिलाओं की भागीदारी में क्रमिक वृद्धि देखी गई है। वित्त वर्ष 2025 के लिए अब तक की रिपोर्ट में कहा गया है कि दिल्ली में बड़े राज्यों में सबसे अधिक 29.8 प्रतिशत महिला प्रतिनिधित्व है, उसके बाद महाराष्ट्र (27.7 प्रतिशत) और तमिलनाडु (27.5 प्रतिशत) का स्थान है। ये आंकड़े राष्ट्रीय औसत 23.9 प्रतिशत से काफी अधिक हैं।

इन राज्यों में महिलाओं की भागीदारी 20% से कम- रिपोर्ट के मुताबिक बिहार (15.4 प्रतिशत), उत्तरप्रदेश (18.2 प्रतिशत) और ओडिशा (19.4 प्रतिशत) जैसे राज्यों में महिलाओं की भागीदारी का स्तर 20 प्रतिशत से कम है, जो लैंगिक समावेशन में क्षेत्रीय असमानताओं को दर्शाता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि कुछ अपवादों को छोड़कर, अधिकांश राज्यों में वित्त वर्ष 2025 की तुलना वित्त वर्ष 2022 से करने पर महिलाओं की भागीदारी दर में राष्ट्रीय औसत से अधिक वृद्धि देखी गई है। यह प्रगति, हालांकि अलग-अलग क्षेत्रों में अलग-अलग है। वित्तीय बाजारों में अधिक लैंगिक समावेशन की दिशा में सकारात्मक रुझान का संकेत देती है।

बचत करने के तरीके में आया बदलाव- एसबीआई की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले तीन वर्षों में भारतीय परिवारों के बचत पैटर्न में भी महत्वपूर्ण बदलाव आया है। रिपोर्ट के अनुसार पारंपरिक बैंक जमा से म्यूचुअल फंड और जीवन बीमा की ओर धन का प्रवाह बढ़ रहा है। रिपोर्ट में बताया गया है कि बैंक जमा में घरेलू बचत का हिस्सा, जो 2021 में 47.6 प्रतिशत था, 2023 में घटकर 45.2 प्रतिशत रह गया। इस बीच, जीवन बीमा फंड में घरेलू निवेश में वृद्धि देखी गई है। यह 2021के 20.8 प्रतिशत से बढ़कर 2023 में 21.5 प्रतिशत हो गया। घरेलू बचत में म्यूचुअल फंड की हिस्सेदारी भी बढ़ी है, जो 2021 में 7.6 प्रतिशत से बढ़कर इस अवधि में 8.4 प्रतिशत हो गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्तीय बचत में, बैंक जमा/मुद्रा की हिस्सेदारी घट रही है क्योंकि निवेश के नए रास्ते (जैसे म्यूचुअल फंड, आदि) उभर रहे हैं।

हनुमानमय हुआ इंदौर... बाबा रणजीत की प्रभातफेरी में पांच लाख लोग जुटे

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। इंदौर के पश्चिम क्षेत्र में सोमवार को उत्सव जैसा माहौल था। चारों तरफ भीड़ ही भीड, भक्तों के लिए सजे व्यंजनों के स्टॉल से उठती महक और भक्ति से भरा माहौल। मौका था बाबा रणजीत की प्रभातफेरी का। रात ढलते ही लोग बाबा रणजीत के दर्शन के लिए घरों से निकल पड़े। उषानगर मेन रोड पर तो दीपावाली जैसा नजरा था। रोशनी से लक-दक मंचों के आसपास भगवा पताकाएं लहरा रही थीं। आतिशबाजी से आसमान रंगीन था और भक्त जय बाबा रणजीत के नारे लगा रहे थे। सोमवार सुबह आरती के बाद बाबा रणजीत की प्रभातफेरी निकली। इसकी तैयारी रविवार रात से ही हो गई थी। पूरी सड़क पर विशेष सफाई की गई, क्योंकि भक्त नंगे पैर इस प्रभातफेरी में शामिल हुए। प्रभातफेरी में शामिल लाखों

भक्तों की आवभगत के लिए पश्चिम क्षेत्र के रहवासी संघों व अलग-अलग संगठनों ने चाय, पोहे, काफी, बिस्किट, गाजर का हलवा, खीर सहित अन्य व्यंजनों के स्टॉल लगाए थे। बाबा रणजीत की प्रभातफेरी में पांच लाख से ज्यादा लोग जुटे।

चार किलोमीटर तक इन मार्गों से गुजरी प्रभातफेरी
प्रभातफेरी चार किलोमीटर लंबे मार्ग पर निकली। उषा नगर, महूनाका, अन्नपूर्णा मंदिर, नरेंद्र तिवारी मार्ग होते हुए फिर मंदिर तक सुबह आठ बजे तक पहुंची। प्रभातफेरी में सबसे आगे नासिक ढोल दल, नृतक दल, हनुमान और रामदरबार की झांकी चल रही थी। बाबा रणजीत के रथ के आगे मंदिर के मुख्य पुजारी और नेता पैदल चल रहे थे। मंदिर के भक्त मंडल के सदस्यों के अलावा पुलिस ने भी व्यवस्था संभाल रखी थी। बाबा के रथ से भी आतिशबाजी हो रही थी। महूनाका चौराहा पर सुबह सात बजे प्रभातफेरी पहुंची, तब तक उजाला हो चुका था। कोहरे और ठंड के माहौल के बावजूद भक्तों का उत्साह कम नहीं हो रहा था। दर्शन के लिए चौराहे पर लगातार भीड़ बढ़ती जा रही थी।

कई साधु-संत यात्रा में हुए शामिल
महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सेवादार रस्सी का घेरा बनाकर आगे बढ़े। फेरी के दौरान रास्ते में बीच में किसी को नहीं आने दिया गया। सादी वर्दी में भी कई महिला पुलिसकर्मी शामिल रहीं। रास्ते में जगह-जगह चाय-पोहे और नाश्ते के स्टॉल लगाए गए। प्रभात फेरी में मंत्री तुलसी सिलावट, इंदौर-3 के विधायक गोलू शुक्ला, इंदौर-4 से विधायक मालिनी गौड़ समेत कई साधु-संत यात्रा में शामिल हुए।

धीरे-धीरे बदलता गया प्रभातफेरी का स्वरूप
रणजीत हनुमान की प्रभातफेरी वर्ष 1985 में ठेले पर भगवान की तस्वीर रखकर निकाली जाती थी और मुट्ठीभर भक्त ही इसके लिए जुटते थे। तब यात्रा महूनाका चौराह पर निकलती थी। धीरे-धीरे प्रभातफेरी का स्वरूप बदलने लगा। वर्ष 2008 में बग्घी पर बाबा की प्रतिमा रखकर यात्रा निकाली गई, लेकिन वर्ष 2016 तक भक्तों की संख्या हजारों में जुटने लगी। इसके बाद हर साल भक्तों की संख्या में इजाफा होने लगा। पिछले साल तीन लाख लोगों से ज्यादा की भीड़ प्रभातफेरी में शामिल हुई थी।

138 साल पुराना है रणजीत हनुमान मंदिर
मंदिर के पुजारी पं. दीपेश व्यास के मुताबिक रणजीत हनुमान मंदिर 138 साल पुराना है। शुरू से ही प्रभात फेरी निकाली जा रही है ओर यह परंपरा आज भी कायम है। शुरुआत की बात करें तो रणजीत हनुमान मंदिर के संस्थापक पुजारी भोलाराम व्यास थे। 1950 तक इनका कार्यकाल रहा। फिर उनके बेटे पं. गोपीकिशन व्यास ने ये जिम्मेदारी संभाली। 1970 तक मंदिर में उन्होंने भगवान की सेवा की। इसके बाद उनके बेटे पं. त्रिलोकीनाथ व्यास को ये जिम्मेदारी मिली और 2008 तक उन्होंने भगवान की सेवा की।

कांग्रेस दफ्तर पर हमला करने वालों पर केस दर्ज करने की मांग

जुलूस में पहुंचे कांग्रेसियों ने घेरा पुलिस कमिश्नर कार्यालय

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। इंदौर में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सोमवार को पुलिस कमिश्नर कार्यालय का घेराव किया। कांग्रेस का आरोप है कि भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस दफ्तर पर हमला किया था, लेकिन इस मामले में पुलिस ने आरोपियों पर कोई कार्रवाई नहीं की। जुलूस के रूप में पुलिस कमिश्नर कार्यालय पहुंचे कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पुलिस और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। जीतू पटवारी ने आरोप लगाया कि प्रदेश की पुलिस भाजपा के इशारे पर काम कर रही है। उन्होंने पुलिस को चेतावनी देते हुए कहा कि कांग्रेस कार्यालय पर हमला करने वालों पर सात दिनों के भीतर नामजद केस दर्ज किया जाए। यदि ऐसा नहीं हुआ तो 30 हजार से अधिक कांग्रेस कार्यकर्ता भाजपा कार्यालय का घेराव करेंगे।

विजयवर्गीय और मेंदोला के कार्यकर्ता हैं गुंडे
पटवारी ने कहा कि पुलिस को बार-बार समझाने और चेताने के बावजूद अगर उन गुंडों पर

एफआईआर दर्ज नहीं की गई तो कांग्रेस कार्यकर्ता भाजपा अध्यक्ष के पास जाएंगे और उनसे पूछेंगे कि बाबा साहब अंबेडकर का अपमान करने वालों के समर्थन में वे हैं या नहीं। यदि वे समर्थन करते हैं तो हम इसे सार्वजनिक करेंगे ताकि गृह मंत्री अमित शाह की सोच सामने आ सके। उन्होंने कहा कि ऐसे में अमित शाह की निंदा होनी चाहिए। साथ ही आरोप लगाया कि ये गुंडे मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, विधायक रमेश मेंदोला और भाजपा के कार्यकर्ता हैं।

गुंडों का शहर हो गया है इंदौर
पटवारी ने कहा कि इंदौर शहर गुंडों का शहर हो गया है। जितने हिस्ट्रीशीटर हैं वे मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, विधायक रमेश मेंदोला और भाजपा के कार्यकर्ता हैं। शहर के जितने चोर, उचक्के, बदमाश थे, वे भाजपा के साथ हो गए। पटवारी ने कहा कि इन लोगों ने इंदौर को क्या दिया। लोगों को ऐसी पार्टी दी जो दूसरे राजनीतिक पार्टी के कार्यालय पर हमला करती है। शहर को बदनाम करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। पटवारी ने केंद्रीय मंत्री अमित शाह को लेकर कहा कि आप अंबेडकर का ही नहीं देश का अपमान करते हो। अंबडेकर का अपमान इस देश का नागरिक सहन नहीं करेगा।

अपने धर्म को निभाए पुलिस
पटवारी ने पुलिस को कहा कि मैं बार-बार समझा रहा हूं, चेता रहा हूं, आप अपने धर्म को निभाओ। अगर उन गुंडों पर नामजद एफआईआर दर्ज नहीं की तो कांग्रेस कार्यकर्ता भाजपा अध्यक्ष के पास जाएंगे। उनसे पूछेंगे कि जिन्होंने बाबा साहब अंबेडकर का अपमान किया तो आप सहमत हो क्या? अगर वे कहते हैं कि सहमत हैं तो हम साधुवाद देंगे। इससे गृहमंत्री अमित शाह की सोच देश को पता चलेगी। ऐसे में अमित शाह की निंदा करनी चाहिए या नहीं।

बीजेपी ने जताई पटवारी की भाषा पर आपत्ति
भाजपा प्रवक्ता नरेंद्र सलूजा ने जीतू पटवारी को लेकर कहा कि इंदौर में प्रदर्शन के दौरान उनकी भाषा रोड छाप, छुटभैये गली छाप नेता जैसी रही। लग ही नहीं रहा था कि वो इतने जिम्मेदार पद पर बैठे है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि वैसे तो कांग्रेस के नेताओ को सरकारी अधिकारी, कर्मचारियों, पुलिस प्रशासन के रोज अपमान की आदत हो चुकी है, लेकिन पटवारी ने अति कर दी। पुलिस की मौजूदगी में पुलिस का खूब अपमान किया।

पहले पत्नी का गला घोंटा, फिर ट्रेन से कटकर दे दी जान

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। इंदौर में एक व्यक्ति ने पत्नी की हत्या के बाद खुद आत्महत्या कर ली। दोनों में अक्सर विवाद होते थे, लेकिन सोमवार दोपहर पति ने पत्नी का गला घोट दिया। परिवार में दो बच्चे है, जो अब अनाथ हो गए। पति ने हत्या के बाद ट्रेन से कट कर जान दे दी। लसूडिया पुलिस ने बताया कि लक्ष्मण पिता रमेश कुलकर्णी अपनी पत्नी मणी और दो बच्चों के साथ फिनिक्स टाउनशिप में रहता था। लक्ष्मण कांटाफोड़ का रहने वाला था, लेकिन रोजगार की तलाश में इंदौर आ गया था। पति और पत्नी में आए दिन आर्थिक तंगी और रोजमर्रा की जरुरतों को लेकर विवाद होता था। रविवार रात के बीच विवाद हुआ था। सोमवार सुबह लक्ष्मण काम पर गया। दोपहर में वह लौटा तो फिर दोनों के बीच विवाद हुआ। तब दोनो बच्चे बाहर खेल रहे थे।

लक्ष्मण ने मणि का गला घोंट दिया। इसके बाद बच्चे घर में लौटे तो मां को जमीन पर लेटा देख आस पड़ोसियों को सूचना दी। पड़ोसियों ने देखा कि घर बिखरा पड़ा था और मणि के शरीर में कोई हरकत नहीं हो रही थी। उन्होंने पुलिस कंट्रोल रुम फोन लगाया। मौके पर पहुंचकर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए पहुंचाया। इस बीच लसूड़िया क्षेत्र में ही ट्रेन से कटकर एक व्यक्ति के कटने की सूचना मिली। मृतक की शिनाख्त लक्ष्मण के रुप में हुई। पुलिस अफसरों का कहना है कि तात्कालिक विवाद के कारण यह घटना हुई है। फिलहाल बच्चों को ध्यान उनके रिश्तेदारों को रखने के लिए कहा गया है।

सांवेर रोड क्षेत्र में पुष्टा फैक्ट्री में भीषण आग, केमिकल प्लांट भी चपेट में

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। इंदौर के सांवेर रोड क्षेत्र में सोमवार सुबह एक पुष्टा फैक्ट्री में भीषण आग लग गई, जिससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। आग की लपटें और उससे उठता काले धुएं का गुबार इतनी दूर तक फैल गया कि इसे आसपास के इलाकों से भी साफ देखा जा सकता था। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की दो गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का काम शुरू किया गया। हालांकि, आग की तीव्रता को देखते हुए और दमकल गाड़ियों को बुलाने की जरूरत पड़ी। आसपास की फैक्ट्रियों के कर्मचारियों ने इस घटना की सूचना दी, जिसके बाद दमकल कर्मियों ने राहत और बचाव कार्य शुरू किया। दमकल अधिकारियों ने बताया कि आग के कारण फैक्ट्री के आसपास भारी मात्रा में धुआं फैल गया, जो हवा के जरिए दूर तक फैलता गया। आग की लपटें

पास की एक केमिकल फैक्ट्री तक भी पहुंच गईं, जिससे स्थिति और गंभीर हो गई। इस केमिकल फैक्ट्री में आग लगने से आस-पास के क्षेत्र में और ज्यादा खतरा पैदा हो गया। हालांकि, राहत की बात यह रही कि घटना के समय फैक्ट्री में काम कर रहे सभी कर्मचारी समय रहते बाहर निकलने में सफल रहे। इससे किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। दमकल विभाग की छह गाड़ियां और करीब 30 से अधिक फायरकर्मी आग पर काबू पाने में लगे रहे। आग की भीषणता को देखते हुए पूरी सतर्कता बरती गई। फायर ब्रिगेड कर्मियों का कहना है कि आग को फैलने से रोकने के लिए हरसंभव प्रयास किए गए। इस घटना के पीछे का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है और न ही आग से हुए नुकसान का सही-सही आकलन किया जा सका है।

लहसुन के दाम में 15 से 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी, आलू में लेवाली कमजोर

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। इंदौर की देवी अहिल्याबाई होलकर फल एवं सब्जी थोक मंडी में सप्ताह के पहले दिन सोमवार को लहसुन में 15 से 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी बताई गई। वहीं, आलू में लेवाली कमजोर बनी हुई है। साथ ही मांग भी कमजोर बनी हुई। प्याज मंडी में बाजार स्थिर बना हुआ है। उधर, लहसुन मंडी में बीते सप्ताह किसानों के हंगामे और प्रदर्शन के बाद सोमवार को शांतिपूर्ण तरीके से नीलामी होती नजर आई। किसान भी अच्छे भाव मिलने से संतुष्ट नजर आए। आलू मंडी में राशन ज्योति 1600 से 1700 एवरेज, 1200 से 1400 गुल्ला, 8000 से 10000 चिप्स आलू, 2500 से 2700 रुपए क्विंटल पर बिका। 25 हजार कट्टों (1 कट्टे 60 किलो) की आवक बताई गई। लहसुन मंडी में अच्छी क्वालिटी का माल 26 से 27 हजार एवरेज 22 से 24 हजार

बारीक 14 से 16 हजार रुपए क्विंटल पर बिका।
आवक 6 से 7 हजार कट्टों की बताई गई। उधर, मंडी में महाराष्ट्र प्याज सुपर 18 से 20 हजार लोकल 15 से 17 हजार एवरेज 13 से 15 हजार गुल्ला 8 से 11 हजार रुपए क्विंटल पर बिका। आवक 40 से 45 हजार कट्टे की बताई गई।

अनियमितता पाए जाने पर यशलोक हॉस्पिटल का रजिस्ट्रेशन निरस्त

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। इंदौर जिला प्रशासन ने 2335 सेक्टर-ई सुदामा नगर स्थित यशलोक हॉस्पिटल में अनियमितता पाए जाने पर उसका रजिस्ट्रेशन निरस्त कर दिया है। कुछ समय पहले हॉस्पिटल के डॉक्टर और स्टाफ की लापरवाही के कारण महिला की मौत हो जाने की शिकायत मिली थी। कलेक्टर आशीष सिंह शिकायत पर सीएमएचओ डॉ. बीएस सैत्या को टीम गठित कर जांच के निर्देश दिए थे। जांच में पाया कि यशलोक हॉस्पिटल द्वारा मेटरनिटी और लेबर रूम की पात्रता न होने पर भी हॉस्पिटल में ये सेवाएं दी जा रहीं थी। निरीक्षण के दौरान भी हॉस्पिटल में मध्य प्रदेश नर्सिंग होम अधिनियम के अनुरूप रिकॉर्ड मेंटेन करना नहीं पाया गया, न ही इस प्रकार के ऑपरेशन के लिए हॉस्पिटल उपयुक्त पाया है। जांच के दौरान स्टाफ के सत्येंद्र सिकरवार और भावना शर्मा ने जांच समिति को बताया कि यशलोक हॉस्पिटल को डॉ. अक्षत लाहोटी से किराए पर लेकर संचालित किया जा रहा है। साथ ही वे बीईएमस योग्यताधारी होकर अपने नाम के आगे डॉक्टर नाम का उपयोग कर रहे थे। यह कि मध्य प्रदेश चिकित्सा शिक्षा संस्थान (नियंत्रण) अधिनियम 1973 की धारा 7-ग का उल्लंघन है। इस धारा का उल्लंघन करने पर सत्येंद्र सिकरवार और भावना शर्मा को कारण बताओ सूचना पत्र जारी कर एक हफ्ते में जवाब मांगा है। उपचार करने वाली स्त्री रोग विशेषज्ञ व एनीस्थिशिया एक्सपर्ट को भविष्य में और अधिक सतर्कता बरतने की चेतावनी दी है।

सात दिवसीय लोकोत्सव 2024 कल से लालबाग पैलेस में शुरू होगा

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। इंदौर में एक बार फिर कला, संस्कृति और परंपरा का अद्वितीय संगम लोकोत्सव 2024 आयोजित किया जा रहा है। 25 से 31 दिसंबर तक ऐतिहासिक धरोहर लालबाग पैलेस में आयोजित यह सात दिवसीय उत्सव प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से रात 10 बजे तक कलाप्रेमियों को लुभाएगा। लोकोत्सव 2024 भारत के विभिन्न राज्यों के प्रसिद्ध शिल्पकारों, कलाकारों और व्यंजनों को एक मंच पर लाएगा, जो हमारी सांस्कृतिक धरोहर को सम्मान और पहचान देने का प्रयास है। लोकोत्सव 2024 की आयोजक अनंत जीवन

सेवा एवं शोध समिति ज्योति कुमरावत ने कहा कि इस उत्सव का उद्देश्य भारत की विविध कला और संस्कृति को प्रोत्साहित करना है और शिल्पकारों और कलाकारों को उनकी कला के लिए एक नया मंच प्रदान करना भी है।
यह उत्सव समाज को अपनी जड़ों से जोड़ने का प्रयास है। उत्सव में देशभर से आए प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा पारंपरिक नृत्य, संगीत और नाटकों के प्रदर्शन, हस्तशिल्प, लकड़ी के काम, जरी कढ़ाई, मिट्टी के बर्तन, और अन्य शिल्पकृतियों की प्रदर्शनी और बिक्री, भारत के विभिन्न क्षेत्रों के प्रसिद्ध व्यंजनों का स्वाद, जिसमें राजस्थानी, पंजाबी, दक्षिण भारतीय, और स्थानीय मालवी व्यंजन शामिल होंगे।

सौरभ शर्मा के ठिकानों पर छापे से नेताओं-अधिकारियों का गठजोड़ उजागर

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। परिवहन विभाग के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा और उसके करीबी दोस्त चेतन सिंह गौर के ठिकानों पर लोकायुक्त द्वारा मारे गए छापे से यह खुलासा हो गया है कि नेताओं-अधिकारियों के गठजोड़ ने मध्यप्रदेश में बीते कुछ सालों में अरबों का भ्रष्टाचार किया है। ऐसा इसलिए भी कहा जा रहा है क्योंकि सौरभ शर्मा की नियुक्ति से लेकर उसकी पूरी नौकरी और परिवहन चेक पोस्टों पर नियुक्तियां, उगाही से लेकर पैसों की बंदरबांट का पूरा जिम्मा यह बताता है कि प्रदेश में नेताओं और अधिकारियों के बीच किस कदर गठजोड़ काम कर रहा था। आयकर विभाग को मिली 54 किलो सोना और दस करोड़ रुपये से भरी इनोवा कार चेतन गौर की है और उसका सोना व नकदी सौरभ शर्मा की निकली। इस खुलासे के बाद आशंका जताई जा रही है कि सौरभ शर्मा के यहां लोकायुक्त छापे की कार्रवाई की सूचना लीक हो गई थी? यह इसलिए क्योंकि इतनी बड़ी मात्रा में सोना और नकदी सौरभ शर्मा और उसके करीबी दोस्त, पार्टनर चेतन सिंह गौर के ठिकानों पर लोकायुक्त छापे से पहले ही इनोवा में भरकर घर से बाहर कर दी गई थी। जानकार सूत्रों का कहना है कि सौरभ शर्मा के

खिलाफ जब से जांच शुरू हुई थी, तभी से वह चौकन्ना हो गया था। इतना ही नहीं गबन में फंसने की आशंका के चलते ही उसने नौकरी से वीआरएस लेकर बिल्डर बनना चुना था। कुछ महीनों से वह दुबई में निवेश करने और वहां परिवार सहित शिफ्ट होने की तैयारी में था, ताकि पूरी काली कमाई को देश से बाहर निवेश कर बचाया जा सके। शायद लोकायुक्त पुलिस को भी इसकी भनक लग गई थी कि सौरभ शर्मा को छापेमारी की तैयारी की भनक है। इसीलिए लोकायुक्त पुलिस ने आनन-फानन में प्रकरण दर्ज कर छापा मारा।

लाल और नीले रंग की डायरियां मिली
लोकायुक्त के छापे में सौरभ शर्मा के यहां से लाल और नीले रंग की डायरियां मिली हैं। कहा जा रहा है कि इन डायरियों में नेताओं और परिवहन विभाग के अधिकारियों का कब कितना हिस्सा दिया गया और किन पार्टियों या नेताओं को कितना चंदा दिया गया, इसका पूरा हिसाब है। अब लोकयुक्त पुलिस डायरियों में दर्ज नेताओं व अधिकारियों से पूछताछ की हिम्मत नहीं जुटा पा रही, लेकिन अपने स्तर पर पूरी पड़ताल शुरू कर दी है। इधर, लोकायुक्त पुलिस ने आयकर विभाग को पत्र लिखकर कहा है कि चूंकि लोकायुक्त छापे के बाद सौरभ शर्मा का 54 किलोग्राम सोना और करीब दस करोड़ रुपये भोपाल के बाहर भेजा जा रहा था। यानी हमारी कार्रवाई के बाद यह मूवमेंट हुआ, इसलिए आयकर विभाग से पहले उक्त जब्त रकम व सोने की जांच की जिम्मेदारी लोकायुक्त की है। हालांकि, अभी दोनों एजेंसियां उक्त सामान को लेकर आगे की जांच में जुटी हैं। कहा जा रहा है कि लोकायुक्त के रडार पर कई नेता व अधिकारी हैं, जिनमें कुछ तो सेवानिवृत्त हो चुके हैं। आयकर विभाग ने खनन कारोबारी राजेश शर्मा और लोकायुक्त ने पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा पर छापा मारा है। इन दोनों ही मामलों में दिलचस्प पहलू यह है कि राजेश शर्मा के तार एक वरिष्ठ सेवानिवृत्त अफसर और सौरभ शर्मा का कनेक्शन एक पूर्व मंत्री से जुड़ा है। परिवहन विभाग से जुड़े रहे लोगों को का कहना है कि उन नेता के कार्यकाल में ही सौरभ ने मामूली आरक्षक से सर्वेसर्वा की हैसियत तक पहुंच गया। इतना माल बना लिया कि नौकरी छोड़ दी और बिल्डर बन गया। यह सारा खेल तत्कालीन मंत्री के एक खास व्यक्तियों दो आरटीओ तथा तीन आरटीआई के साथ मिल कर किया।

मां और पत्नी स्कूल में चेयरपर्सन-डायरेटर
बीडीए ने एक एनजीओ को शाहपुरा के बी सेटर में करीब 20 हजार वर्गफीट जमीन स्कूल बनाने के लिए आवंटित की थी। इसके साथ तीन साल में स्कूल निर्माण की शर्त रखी गई थी। मौके पर पार्क बना था। वर्ष 2022 में स्कूल का निर्माण शुरू हो गया। यहां एक प्रतिष्ठित स्कूल खोलने की तैयारी है। इसके लिए वर्ष 2025 की समय सीमा तय की गई थी। खास बात यह है कि स्कूल समिति में सौरभ की मां चेयरपर्सन और पत्नी डायरेक्टर है। स्कूल निर्माण के विरोध में शाहपुरा के रहवासी आ गए। उनका कहना था कि बीडीए ने जब यह कॉलोनी बनाई तो इस भूमि को ओपन स्पेस बताया था। तत्कालीन निगम कमिश्नर वीएस चौधरी कोलसानी ने बिल्डिंग परमिशन पर रोक लगा दी थी। इसके खिलाफ एनजीओ कोर्ट चली गई। वहां से अनुमति बहाल हो गई। इसके बाद से निर्माण तेजी से चल रहा है। रहवासियों का तर्क यह भी है कि जमीन आवंटन तीन साल में स्कूल निर्माण की शर्त के साथ किया गया था, अब इसे दरकिनार यों किया जा रहा है।

30 से ज्यादा लॉकर मिले
राजेश शर्मा और सौरभ शर्मा पर कार्रवाई में 30 से बैंक लॉकर मिले हैं। जांच एजेंसियां सोमवार से लॉकर खोलना शुरू कर सकती हैं। इनमें जमीनों की खरीद-फरोख्त से जुड़े दस्तावेज और कैश व सोना मिल सकता है। वहीं सौरभ शर्मा और उसके करीबी चेतन सिंह गौर के ठिकानों से सैकड़ों रजिस्ट्रियां मिली हैं। ऐसे ही राजेश शर्मा से जुड़े लोगों के यहां से प्रॉपर्टी के दस्तावेज मिले हैं। अब प्रत्येक खरीदार को नोटिस भेज कर जांच एजेंसियां पूछताछ के लिए बुला सकती हैं। ऐसे में कई और बड़े नाम उजागर हो सकते हैं। इसके आधार पर संभावना जताई जा रही है कि छापे की कार्रवाई भले ही खत्म हो जाए, लेकिन जांच लंबी चलती रहेगी।

बड़ी रकम विदेश में निवेश की
सौरभ शर्मा को लेकर एक और बड़ी जानकारी सामने आ रही है कि उसे नौकरी से वीआरएस लेते समय ही पता चल गया था कि आने वाले दिनों में जांच एजेंसियां उसके पीछे पड़ सकती हैं। ऐसे में उसने बड़ी रकम विदेश में निवेश की थी। इसलिए वह बार-बार दुबई जाता है। सूत्रों की मानें तो वह कुछ सालों में परिवार सहित दुबई में बसने की फिराक में था। उसने कई अफसरों, नेताओं का पैसा निवेश किया है व जमा कर रखा है। बताया जा रहा है कि उसे बड़ी कार्रवाई का अंदेशा होने लगा था। ऐसे में वो सारी प्रॉपर्टी बेचकर दुबई में बसने की फिराक में था।

दुबई से वापस लाने की तैयारी
सूत्रों के अनुसार जिस वक्त लोकायुक्त ने सौरभ शर्मा के घर व अन्य ठिकानों पर छापा मारा, तब वह मुंबई में ही था। उसकी मां ने भी लोकायुक्त पुलिस को यही बताया था। हालांकि, छापे की भनक लगते ही वह दुबई भाग गया। इधर, लोकायुक्त के साथ ही आयकर विभाग उसे दुबई से वापस देश लाने की तैयारी में जुट गया है। इसके लिए वहां स्थित एजेंसी से संपर्क किया जा रहा है।

2025 में भोपाल से नियमित अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शुरू होने की उम्मीद

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। राजधानी के राजा भोज एयरपोर्ट ने 14 दिसंबर की रात को अपनी पहली अंतरराष्ट्रीय चार्टर्ड उड़ान भरी। यह उड़ान थाईलैंड के लिए थी और इसमें 18 सीटों वाले सेसना विमान का इस्तेमाल हुआ। इस उड़ान से एयरपोर्ट की अंतरराष्ट्रीय उड़ानें संभालने की क्षमता साबित हुई। सूत्रों के मुताबिक, 2025 में भोपाल से नियमित अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शुरू होने की उम्मीद है। इससे मध्य प्रदेश में पर्यटन और व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। यह उड़ान मध्य भारत में हवाई संपर्क के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। एयरपोर्ट निदेशक रामजी अवस्थी ने इसे मध्य भारत में हवाई संपर्क के लिए एक महत्वपूर्ण विकास बताया। उन्होंने कहा, भोपाल के राजा भोज एयरपोर्ट से थाईलैंड के लिए चार्टर्ड अंतरराष्ट्रीय उड़ान का सफल संचालन मध्य भारत में हवाई संपर्क के लिए एक महत्वपूर्ण विकास को दशार्ता है। यह उपलब्धि अंतरराष्ट्रीय सेवाओं के लिए एयरपोर्ट के बुनियादी ढांचे और

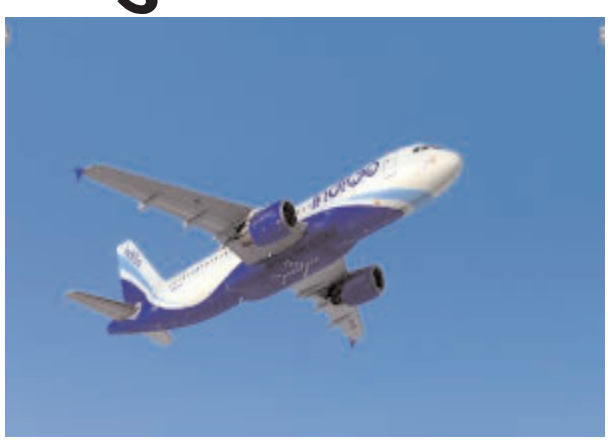

परिचालन तत्परता को प्रमाणित करती है।
18 दिसंबर को वापस लौटे 9 यात्री इस उड़ान में नौ यात्री सवार थे। ये यात्री 18 दिसंबर को वापस लौटे। इन्होंने एयरपोर्ट की अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को संभालने की क्षमता का खुद अनुभव किया। अवस्थी ने बताया कि सीमा शुल्क और आव्रजन की प्रक्रियाएं सुचारू रूप से चलीं। इससे पता चलता है कि एयरपोर्ट अंतरराष्ट्रीय यात्रा नियमों के लिए पूरी तरह तैयार है। भोपाल एयरपोर्ट मध्य भारत में एक रणनीतिक जगह पर स्थित है। यह इसे अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए एक आदर्श केंद्र बनाता है। एयरपोर्ट के अधिकारी सुविधाओं को बेहतर बनाने में जुटे हैं। वे अंतरराष्ट्रीय विमानन मानकों को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। टर्मिनल भवन को भी अपग्रेड किया गया है। इसमें अब अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए जरूरी सुविधाएं मौजूद हैं। एयरपोर्ट अब नियमित अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए तैयार है। 2025 में नियमित अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शुरू होने की उम्मीद है। इससे मध्य प्रदेश में पर्यटन और व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। भोपाल और आसपास के लोगों को सीधे अंतरराष्ट्रीय संपर्क मिल सकेगा।

तैयारी में जुटा मैनेजमेंट
एयरपोर्ट प्रबंधन नियमित अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए सभी जरूरी तैयारी कर रहा है। कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। सुरक्षा उपायों को मजबूत बनाया जा रहा है। यात्री सुविधाओं को भी बढ़ाया जा रहा है। अवस्थी ने बताया कि इस चार्टर उड़ान से भविष्य की अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए बहुत कुछ सीखने को मिला है। स्थानीय व्यवसायी और पर्यटन से जुड़े लोग अंतरराष्ट्रीय संपर्क की संभावनाओं को लेकर उत्साहित हैं। एक अंतरराष्ट्रीय ऑपरेटर ने कहा, अंतर्राष्ट्रीय गंतव्यों के लिए सीधी उड़ानें क्षेत्र के यात्रियों के लिए यात्रा के समय और लागत को कम करेंगी। अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए एयरपोर्ट की तैयारी देखकर और भी एयरलाइंस भोपाल को एक डेस्टिनेशन के रूप में चुन सकती हैं।

वीडी शर्मा का आरोप

कांग्रेस ने डॉ अंबेडकर को मंत्री के पद छोड़ने के लिए किया मजबूर

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। खजुराहो सांसद और बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि बाबा साहब की सामाजिक और राजनैतिक उपेक्षा करने वाली कांग्रेस बाबा साहब के नाम पर ढोंग कर रही है। कांग्रेस और उसका टूलकिट गैंग केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बयान को एआई से एडिट कर साजिश रच रहा है। कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के समय भी अमित शाह के बयान को एआई से एडिट कर साजिश रचकर झूठ परोसने का कार्य किया था।
उन्होंने कहा कि चुनावों में मिली हार से कांग्रेस इतना बौखला गई है कि वह जनता के बीच उन्माद पैदा करने का षड्यंत्र रच रही है। वीडी शर्मा ने कहा कि बीजेपी का प्रत्येक कार्यकर्ता बाबा साहब के विचारों और सिद्धांतों का सम्मान करता है। जिस कांग्रेस पार्टी ने बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के सिद्धांतों की धज्जियां उड़ाई, आज वही

बाबा साहब के नाम पर समाज में भ्रांतियां फैला रही है।
देश में 55 साल तक शासन करने वाली कांग्रेस ने अपने प्रथम परिवार के नेताओं जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी को भारत रत्न दिया, उनके स्मारक बनवाए, लेकिन बाबा साहब डॉ. अंबेडकर को सदैव वंचित रखा है। जवाहरलाल नेहरू और कांग्रेस नेतृत्व ने बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर को चुनाव हराने का घिनौना कार्य किया। कांग्रेस नेतृत्व में डॉ. अंबेडकर को इतना परेशान किया गया कि उन्हें केंद्रीय कानून मंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा। डॉ. अंबेडकर को भाजपा समर्थित सरकार में भारत रत्न दिया गया। वीडी शर्मा ने कहा किकांग्रेस के खून में आज भी अंग्रेजों का जींस है इसलिए दिग्विजय सिंह सहित कांग्रेस नेता आज भी फूट डालो राज करो की नीति पर कार्य कर रहे हैं। बाबा साहब के विचारों की विरोधी कांग्रेस अब मध्यप्रदेश में कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह के माध्यम से झूठ परोस रही है।

घर में बंद भूख-प्यास से मर गई मां, बेटे-बहू चले गए बाहर, हत्या का केस

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। राजधानी भोपाल में एक वृद्ध महिला की मौत के बाद मानवीय संवेदना को झकझोर देने वाली एक घटना सामने आई है। मौत के दो महीने बाद पुलिस ने मृतका के एक बेटे के विरुद्ध गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज किया है। पुलिस के अनुसासर बेटा अरुण पत्नी और अपने बेटे को लेकर उज्जैन चला गया था।
उसने बीमार मां ललिता दुबे को घर में बंद कर दिया था। इसी दौरान दो दिन तक भूखी-प्यासी रही वृद्धा ने दम तोड़ दिया। घर से दुर्गंध आने पर पड़ोसियों ने पुलिस को बुलाया। घटना 19 अक्टूबर को निशातपुरा थाना क्षेत्र की गोया कालोनी में हुई थी। पुलिस ने जांच में पाया गया कि अरुण दुबे की लापरवाही की वजह से ही ललिता

देवी की मौत हुई थी। इस आधार पर उसके विरुद्ध गैर इरादतन हत्या और भरण-पोषण कानून की धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार 80 साल की ललिता दुबे अपने मकान में छोटे बेटे अरुण के साथ रहती थीं। 19 अक्टूबर को सुबह ललिता देवी का शव उनके घर का ताला तोड़कर अंदर से बरामद किया गया था।

बेटा घर में ताला लगाकर हुआ गायब
अरुण दो दिन पहले घर में ताला लगाकर पत्नी और ढाई वर्ष के बेटे को लेकर बाहर चला गया था। घटना की सूचना मिलने पर ललिता देवी का बड़ा बेटा अजय जो कि पुलिस में सब इंस्पेक्टर है वह इंदौर से आ गया था। ललिता के पति श्यामलाल दुबे भोपाल पुलिस में हवलदार थे। उनका बड़ा बेटा इंदौर में रहता है और मंझले बेटे की एक साल पहले मौत हो गई थी। सबसे छोटा बेटा अरुण मानसिक रूप से कमजोर है, वह मां के साथ ही रहता था। वह बेरोजगार भी था।

पुलिस कर रही मामले की जांच
ललिता देवी बुजुर्ग होने के साथ ही बीमार भी चल रही थीं। वह अधिकतर समय बिस्तर पर ही रहती थीं। आशंका है कि समय पर दवा और भोजन-पानी नहीं मिलने के कारण उनकी मौत हो गई। हालांकि पुलिस इस एंगल से भी जांच कर रही है कि अगर छोटा बेटा मानसिक रूप से कमजोर था तो बड़े बेटे ने अपनी मां को अपने पास क्यों नहीं रखा।

5 दिन निकलेंगे पदयात्रा

युवा कांग्रेस ने जारी किया मैं भी हूं अंबेड़कर प्रोग्राम

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा अंबेडकर पर दिए बयान के बाद देश भर में कांग्रेस पार्टी विरोध दर्ज करा रही है अब यूथ कांग्रेस भी सामने आ गई है। इसे लेकर सोमवार को मैं भी हूं अंबेडकर पदयात्रा का प्रोग्राम जारी किया गया है।मप्र युवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष मितेंद्र सिंह ने कार्यक्रम जारी कर कहा कि देश का युवा अंबेडकर जी का अपमान नहीं सहेगा, अंबेडकर जी द्वारा इस देश के संविधान को लिखा गया, जिन्होंने संविधान के माध्यम से हर वर्ग हर जाति को एक समान अधिकार दिया, आजादी से रहने और आजादी से अपने बात को रखने का, उन्ही बाबा साहब अंबेडकर जी को जिस प्रकार भाजपा के नेता निरंतर अपमानित करते आ रहे हैं वह निंदनीय है। मितेन्द्र सिंह ने कहा है कि युवा कांग्रेस मध्य प्रदेश के हर जिले में बाबा साहब के सम्मान मे पदयात्रा निकाल कर भाजपा के नेताओं को यह संदेश देना चाहती है की यह देश अंबेड़कर के लिखें संबिधान से चलेगा और देश की जनता बाबा साहब का अपमान नहीं सहेगी! कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए युवा कांग्रेस मीडिया चेयरमैन अभिज्ञान शुक्ला ने बताया कि मैं भी हूं अंबेडकर पदयात्रा के माध्यम से समाज के हर वर्ग को जगाने का कार्य किया जाएगा और पदयात्रा के दौरान युवा कांग्रेस द्वारा तैयार किया गया पर्चे के माध्यम से बाबा साहब का जीवन परिचय भी आम नागरिकों मे वितरित किया जाएगा, पदयात्रा मध्य प्रदेश के हर जिले में निकाली जाएगी जिसका पांच दिवसीय कार्यक्रम 25 दिसंबर से 29 दिसंबर तक युवा कांग्रेस ने जारी किया है।

कर्मचारियों को जोड़ने के लिए भारतीय मजदूर संघ ने चलाया जनसंपर्क अभियान

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। भारतीय मजदूर संघ के 70वें वर्ष में पदार्पण के चलते मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ समस्त विभागों में संपर्क कर कर्मचारियों को संघ से जोड़ रहा है। इसी कड़ी में श्रमिक/कर्मचारी संपर्क अभियान के अंतर्गत मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ ने सोमवार को अरेरा हिल्स स्थित महानिरीक्षक पंजीयन एवं अधीक्षक मुद्रांक मुख्यालय भोपाल के कर्मचारियों से संपर्क किया और संघ की उपलब्धियों और उद्देश्यों से अवगत कराकर संघ से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के प्रदेश महामंत्री जितेंद्र सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष अनिल एडविन, जिला अध्यक्ष जितेंद्र शाक्य, जिला सचिव संदीप जैन, लिपिक संवर्ग के प्रदेश सह संयोजक मयूर उपाध्याय, भोपाल संभाग के सचिव विजय रैकवार सहित पंजीयन कार्यालय से स्मिता शर्मा, अमृता उधौजी, रमा पाल, रोमिला खुल्लर, सुजीत सिंह सोन, भूपेश श्रीवास्तव, संदीप नागोरिया, वीरेंद्र सराटिया, नितिन यादव, कर्मी तंवर, पूजा तिवारी सिंह, वर्षा सिंह, नूरुद्दीन कुरैशी, सागर जैन, गौरव मुंगरे, अमान सिद्दीकी, राहुल शर्मा आदि कर्मचारी उपस्थित रहे।

बाइक सवार मां-बेटे को कार ने टक्कर मारी, बेटे की मौत

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। भोपाल के माता मंदिर स्थित प्लेटिनम प्लाजा के पास बाइक सवार मां और बेटे को सोमवार की सुबह कार ने टक्कर मार दी। हादसे में बेटे की मौत हो गई, मां का हमीदिया हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। दोनों करोंद मंडी से सब्जी खरीदकर पंचशील नगर स्थित घर जा रहे थे। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।
पुलिस के मुताबिक अंकित कुशवाह (20) पुत्र जीवन कुशवाह पंचशील नगर में रहता था। रातीबढ़ स्थित एक पेट्रोल पंप में नौकरी करता था। उसकी मां सोमवती बाई घर के बाहर ही सब्जी की दुकान लगाती हैं। दोनों मां-बेटे करोंद मंडी दुकान की सब्जी लेने पहुंचे थे। सब्जी खरीदकर घर लौट रहे थे। रास्ते में प्लीटनम प्लाजा के पास उनकी बाइक को तेज रफ्तार कार ने ओवरटेक करने के प्रयास में टक्कर मार दी। हादसे में अंकित की मौके पर ही मौत हो गई। अंकित परिवार का बड़ा बेटा था। उससे छोटे दो भाई लव और कुश हैं। दोनों स्कूल में पढ़ाई कर रहे हैं। अंकित के पिता मजदूरी करते हैं। परिजन का कहना है कि घर में आर्थिक सहयोग में अंकित की अहम भूमिका थी। हादसे के बाद चालक कार को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने कार को कब्जे में ले लिया है। चालक की तलाश की जा रही है।

सम्पादकीय

संसदीय कार्यवाही में सिर्फ 'तमाशा', कुछ भी सकारात्मक नहीं

संसद में सत्ता और विपक्ष दोनों ही अनिवार्य और पूरक पक्ष हैं। बेशक संसद चलाने की जिम्मेदारी सत्ता पक्ष की है, क्योंकि वह ही विधेयक और अन्य प्रस्ताव तैयार करता है। कैबिनेट को जनादेश हासिल है, लिहाजा वह ही बुनियादी और शुरुआती तौर पर बिलों और प्रस्तावों को स्वीकृति देती है। विपक्ष की भूमिका 'दुश्मन' और 'नफरती पक्ष' की ही नहीं होनी चाहिए, क्योंकि संविधान में उसे 'प्रतिपक्ष' माना गया है।

हंगामों, नारेबाजी और विप्लव की स्थितियों में ही, अंततः, लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही 'अनिश्चितकाल' के लिए स्थगित कर दी गई है। संसद के शीतकालीन सत्र की 20 बैठकों में लोकसभा में करीब 57 फीसदी और राज्यसभा में करीब 43 फीसदी काम हो पाया है। वह भी शोर-शराबे के बीच निपटाना पड़ा है। कुछ प्रस्ताव, रपटें और विधायी कार्य ऐसे होते हैं, जो विप्लव के हंगामों के दौरान ही सदन में पेश करने अनिवार्य होते हैं। 'एक देश, एक चुनाव' पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के गठन का प्रस्ताव ध्वनि-मत से पारित हो सका, क्योंकि उसमें सत्ता और विपक्ष के सांसद होते हैं। अलबत्ता दोनों सदनों में अडानी, सोरोस और गृहमंत्री अमित शाह के बयान के बाद बाबा अंबेडकर के ही नारे गूंजते रहे। दोनों तरफ टकराव और समानांतर आक्रामकता का माहौल बना रहा। हम संसदीय कार्यवाही को अब एक 'तमाशा' मानते हैं, क्योंकि कुछ भी सकारात्मक नहीं होता। संसद में सत्ता और विपक्ष दोनों ही अनिवार्य और पूरक पक्ष हैं। बेशक संसद चलाने की जिम्मेदारी सत्ता पक्ष की है, क्योंकि वह ही विधेयक और अन्य प्रस्ताव तैयार करता है। कैबिनेट को जनादेश हासिल है, लिहाजा वह ही बुनियादी और शुरुआती तौर पर बिलों और प्रस्तावों को स्वीकृति देती है। विपक्ष की भूमिका 'दुश्मन' और 'नफरती पक्ष' की ही नहीं होनी चाहिए, क्योंकि संविधान में उसे 'प्रतिपक्ष' माना गया है। संसद जिद अथवा दुश्मनी-भाव से नहीं चल सकती, क्योंकि जो भी बिल और प्रस्ताव संसद में पारित किए जाते हैं, वे पूरकता में ही होने चाहिए। दोनों पक्षों की सहमति और असहमति स्पष्ट होनी चाहिए। अंततः मतविभाजन अथवा ध्वनि-मत से बिल और प्रस्ताव पारित किए जाएं, लेकिन मोदी सरकार के 11वें साल तक राजनीति और संसदीय कार्यवाही 'दुश्मनी-भाव' की ही रही है। हालांकि पहले 10 साल में विपक्ष बेहद कमजोर रहा, लेकिन 18वीं लोकसभा में कांग्रेस और विपक्ष के आंकड़े कुछ ताकतवर हैं, नतीजतन संसद सही अर्थों में 'अखाड़ा' या 'सब्जी मंडी' बनकर रह गई है। यदि लोकसभा की कार्यवाही एक दिन न चले, तो 9 करोड़ रुपए और राज्यसभा की कार्यवाही लगातार स्थगित होती रहे, तो एक दिन में 5.5 करोड़ रुपए का नुकसान हो जाता है। क्या यह पैसा खैरात का है अथवा जॉर्ज सोरोस ही यह फंडिंग करता है? हमें बार-बार सोचने और क्षुब्ध होने को बाध्य होना पड़ रहा है कि क्या संसद के मायने हंगामे, नारेबाजी और विप्लवी स्थितियां ही हैं? क्या देश के गणतंत्र और संवैधानिक कार्यों के लिए ऐसी ही संसद की जरूरत है? नफरत और दुश्मनी की सियासत के लिए क्या संसद चाहिए अथवा उसकी कोई सार्थक भूमिका और जरूरत नहीं है? आम जनता में यहां तक टिप्पणियां की जाने लगी हैं कि हमें संसद की जरूरत ही क्या है, जब संसद में कार्यवाही तो बाधित ही रहती है? संसद भवन के 'मकर द्वार' पर सांसदों में जिस तरह धक्का-मुक्की हुई और भाजपा के दो सांसदों को चोटिल होकर अस्पताल के आईसीयू तक जाना पड़ा, बेशक वह उच्छृंखल, स्वच्छंद, अशालीन, अमर्यादित आचरण है। सामान्य शब्दों में कहा जा सकता है कि संसद परिसर 'अखाड़ा' बन गया है अथवा सांसद भी गली-मुहल्ले के बच्चों की तरह एक-दूसरे को धकियाने लगे हैं। यह क्या हो रहा है और संसद की गरिमा तार-तार क्यों की जा रही है? 75 साल के संसदीय इतिहास में यह पहली घटना है कि ओडिशा के 70 वर्षीय सांसद प्रताप सारंगी लहुलूहान हुए। अस्पताल में उन्हें कुछ टांके लगाने पड़े हैं। इसी तरह फर्रुखाबाद (उप्र) के भाजपा सांसद मुकेश राजपूत भी धराशायी होकर बेहोश हो गए। प्रधानमंत्री मोदी ने जब उनसे फोन पर बात की, तब

मर्यादा भूलते हमारे माननीय...

शीतकालीन सत्र के समापन से एक दिन पूर्व संसद भवन के मकर द्वार पर जो हुआ, वह अकल्पनीय था। सत्ता पक्ष का आरोप है कि प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी और उनकी अगुवाई में प्रदर्शन कर रहे कांग्रेसी सांसदों के धक्के से उनके दो लोकसभा सदस्य घायल हो गए और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। इसके विपरीत, कांग्रेस का आरोप है कि भारतीय जनता पार्टी के सदस्यों ने न केवल उनका रास्ता रोका, बल्कि राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे को जबरदस्ती पीछे धकेलने की कोशिश की। इस धक्का-मुक्की से 82 वर्षीय बुजुर्ग खड़गे के पैर में चोट आई है। दोनों पक्षों ने शिकायतें दर्ज करा दी हैं। मामला लोकसभा अध्यक्ष के अलावा संसद मार्ग थाने तक पहुंच गया है।

शीतकालीन सत्र के समापन से एक दिन पूर्व संसद भवन के मकर द्वार पर जो हुआ, वह अकल्पनीय था। सत्ता पक्ष का आरोप है कि प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी और उनकी अगुवाई में प्रदर्शन कर रहे कांग्रेसी सांसदों के धक्के से उनके दो लोकसभा सदस्य घायल हो गए और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। इसके विपरीत, कांग्रेस का आरोप है कि भारतीय जनता पार्टी के सदस्यों ने न केवल उनका रास्ता रोका, बल्कि राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे को जबरदस्ती पीछे धकेलने की कोशिश की। इस धक्का-मुक्की से 82 वर्षीय बुजुर्ग खड़गे के पैर में चोट आई है। दोनों पक्षों ने शिकायतें दर्ज करा दी हैं। मामला लोकसभा अध्यक्ष के अलावा संसद मार्ग थाने तक पहुंच गया है।

तय है, बात निकली है, तो दूर तलक जाएगी। दोनों ही पक्ष अपने-अपने तरीके से बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के नाम को भुनाने की कोशिश करेंगे। बाबा साहेब का नाम एक वर्ग विशेष के वोट दिलाने वाला जो साबित होता है। इस सिलसिले में विस्तार से चर्चा के पहले घटना का संक्षिप्त ब्योरा। बुधवार को गृहमंत्री अमित शाह ने राज्यसभा में अपने वक्तव्य में डॉ अंबेडकर का जिक्र किया था। इस पर मल्लिकार्जुन खरगे का कहना था कि उन्होंने बाबा साहेब का अपमान किया। खरगे के उस ट्वीट ने वही काम किया, जो सूखे जंगल में चिनगारी करती है। देखते-देखते हर विपक्षी नेता ने अपने-अपने तरीके से गृह मंत्री के शब्दों की व्याख्या करनी शुरू कर दी। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने तो जनता दल(यू) के नीतीश कुमार और तेलुगु देशम पार्टी के अगुवा चंद्रबाबू नायडू को पत्र लिखकर मांग तक कर डाली कि वे आंबेडकर का अपमान करने वालों से खुद को अलग करें।

यह सब तब हो रहा था, जब खुद अमित शाह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपना मंतव्य स्पष्ट कर चुके थे। राजनीति से वे दिन विदा हो गए हैं, जब कोई नेता अपने मन की बात सामने रखता था और दूसरा उसके मर्म को समझने का प्रयास करता था।

जिन बाबा साहेब अंबेडकर के नाम पर यह हंगामा बरपा है, वह खुद सहनशीलता की मिसाल थे। ऐसा न होता, तो अंबेडकर उसी समय बोरिया-बिस्तर समेटकर अमेरिका रवाना हो गए होते, जब बड़ौदा में उन्हें एक पारसी सराय से धक्के मारकर सिर्फ इसलिए निकाल दिया गया था, क्योंकि वह दलित थे। यह हाल तब था, जब आंबेडकर को बड़ौदा के महाराज का राज्याश्रय प्राप्त था। इसके बावजूद पूरे शहर में कोई उनको अपना आवास देने को तैयार न था। नाम बदलकर वह उस सराय में ठहरे थे, लेकिन उनकी जाति छिपी न रह सकी और फिर लाठी-डंडों से लैस पारसियों के झुंड ने सराय पर हमला बोल दिया। डॉ अंबेडकर को अपना सामान और पुस्तकें समेटकर सारी रात एक पार्कके कोने में गुजारनी पड़ी थी। इतने बड़े अपमान के बावजूद उन्होंने पारसियों से नहीं, बल्कि हमेशा उस व्यवस्था से लड़ने की कोशिश की, जो मनुष्य को मनुष्य से जुदा करती है। यही वजह है कि उनके निधन के 68 वर्ष बाद आज हमारे माननीय अपने-अपने तरीके से उन पर हक जताने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसा करते वक्त वे यह भूल गए हैं कि खुद उनके तौर-तरीकों को बाबा साहेब कभी जायज नहीं ठहरा सकते थे।

हमारे माननीय सुविधापूर्वक भूल जाते हैं कि उनके मतदाताओं ने उन्हें इस आचरण के लिए नहीं चुना था। वोट डालते समय लोग अपनी भलाई और विकास चाहते हैं। क्या उन्हें यह हासिल हो पा रहा है? रोजगार, जलवायु, सीमा सुरक्षा, आंतरिक सुरक्षा, महिलाओं का सम्मान और सभी वर्गों के समान विकास जैसे मुद्दों पर कभी आपने संसद में कोई गंभीर चर्चा सुनी है? एक समय था, जब मैं खुद लोकसभा और राज्यसभा टेलीविजन पर डिबेट्स को लाइव सुना करता था। हालांकि, उस समय ऐसे लोग थे, जो कहते थे कि अब संसद में पहले जैसे बोलने वाले नहीं रहे। इसके बावजूद अटल बिहारी वाजपेयी, सुषमा स्वराज, चंद्रशेखर, लालू यादव, जावेद अख्तर आदि अपने-अपने तरीके से आम आदमी की बात रखते थे।

पिछले कुछ वर्षों से यह सिलसिला बाधित हो गया है। ऐसा लगता है, जैसे हम लोग राजनीतिक प्रक्रिया का सर्वोच्च आदर्श देखने के बजाय एक ऐसी फिल्म देख रहे हैं, जिसमें रोमांच विहीन नफरत है। क्या कमाल है? विपक्ष तो आरोप लगाता ही है, पर जो सत्ता में हैं, वे भी आरोप ही अलापते हैं। यह तू-तू, मैं-मैं का सिलसिला कब बंद होगा? हमारी संसद की एक दिन की कार्यवाही लगभग नौ करोड़ रुपये की बैठती है। इतने में तो किसी एक गांव या मुहल्ले में बाधित पड़े जन विकास के तमाम काम पूरे हो जाएंगे। हमारे माननीय कभी इस साधारण से मुद्दे पर भी विचार कर देखें, जनता ने इसीलिए तो उन्हें चुनकर वहां भेजा है। एक बात और। चाहे भगवान श्रीराम हों, महात्मा गांधी हों या डॉ भीमराव अंबेडकर। हर वह अवतार या शख्सियत, जो वोट दिलवा सकती है, इस संसद के हंगामेपूर्ण विमर्श का विषय बन जाती है। क्या कभी इनमें से किसी एक ने उनके आदर्शों पर चलने की ठानी है? आंबेडकर और गांधी में विरोध था, लेकिन इसके बावजूद गांधी और नेहरू ही थे, जिन्होंने उनसे अनुरोध किया था कि वह संविधान की ड्राफ्टिंग कमेटी के चेयरमैन का पद स्वीकार करें।

याद रखें। गांधी और अंबेडकर अलग-अलग चलते हुए दिखाई पड़ते थे, लेकिन दोनों का मकसद एक ही था। अंबेडकर दलितों का संपूर्ण उद्धार चाहते थे। गांधी इस वर्ग के प्रति सदियों पुराना भेदभाव मिटाने के लिए दलित बस्तियों में ठहरते थे। उन्होंने हरिजन नाम का अखबार भी निकाला था। हालांकि, अंबेडकर इसे प्रतीकात्मक कहते थे, परंतु उन्हें क्या मालूम था कि आने वाले वर्षों में नाटकीय प्रतीकवाद मूल मुद्दों की जगह ले लेगा? मैं यहां कांग्रेस के सदस्यों की मंशा पर सवाल नहीं उठा रहा, लेकिन यह सच है कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी जब नीले कपड़े पहनकर संसद में आए, तब उन्होंने एक निश्चित वर्ग को संदेश देने की कोशिश की। इससे उस वर्ग का कितना भला होना था? वैसे ही, जैसे प्रियंका गांधी वाड्रा एक दिन फलस्तीन, तो दूसरे दिन बांग्लादेश लिखा हुआ बैग टांगकर संसद पहुंचीं। इससे वह तो चर्चा में आ गईं, लेकिन उन देशों की जनता का क्या भला हुआ?

अंत में, भारतीय लोकमानस के अनंतिम नायक श्रीराम का एक उदाहरण। रामचरितमानस में राम के राज्याभिषेक का जबरदस्त प्रसंग है। राम सत्ता सम्हालते वक्त अयोध्यावासियों से अनुरोध करते हैं कि आप यदि मेरे द्वारा किए गए फैसलों में कोई गलती पाएं, तो मुझे टोकने का अधिकार आपके पास होगा। क्या हम और आप अपने माननीय सांसदों में किसी एक को भी टोकनेका हक-हुकूक रखते हैं? हमारा लोकतंत्र इतना सहमा और संकुचित क्यों है?

उपभोक्ताओं को डार्क पैटर्न से बचाना मकसद

राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस के मौके पर सरकार डिजिटल मार्केट प्लेस को ग्राहकों के लिए अधिक सुरक्षित बनाने के लिए 'जागो ग्राहक जागो एप', 'जागृति एप' और 'जागृति डैशबोर्ड' एप लांच करेगी। खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के तहत आने वाले उपभोक्ता मामलों के विभाग की ओर से कहा गया है कि विभाग की इस पहल का उद्देश्य एक पारदर्शी और निष्पक्ष डिजिटल मार्केट प्लेस बनाना है। जहां उपभोक्ता बिना किसी धोखे या दबाव के सोच-समझकर फैसले ले सकेंगे। साथ ही उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के बारे में भी शिक्षित किया जा सकेगा। इन एप के माध्यम से केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) की क्षमता काफी बढ़ जाएगी और डार्क पैटर्न्स के खिलाफ स्वतः संज्ञान लेकर ग्राहकों की रक्षा करने में मदद मिलेगी। जागो ग्राहक जागो एप उपभोक्ता की ऑनलाइन गतिविधियों के दौरान सभी यूआरएल के बारे में आवश्यक ई-कॉमर्स जानकारी प्रदान करता है, उन्हें सचेत करता है कि कोई यूआरएल असुरक्षित हो सकता है और सावधानी बरतने की आवश्यकता है। वहीं, जागृति एप उपयोगकर्ताओं को उन यूआरएल की रिपोर्ट करने की अनुमति देता है जहां उन्हें एक या अधिक डार्क पैटर्न की उपस्थिति का संदेह है, जिन्हें अवैध घोषित किया गया है।

इन रिपोर्टों को फिर संभावित निवारण और बाद की कार्रवाई के लिए केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) में शिकायत के रूप में पंजीकृत किया जाता है। इसके अतिरिक्त जागृति डैशबोर्ड के साथ सीसीपीए और मजबूत होगा, जिसका उपयोग डार्क पैटर्न की उपस्थिति के लिए ई-कॉमर्स यूआरएल पर रियल टाइम रिपोर्ट बनाने के लिए किया जाएगा, जिससे ऑनलाइन उपभोक्ता इंटरैक्शन की निगरानी और विनियमन करने की क्षमता में वृद्धि होती है। उपभोक्ता मामलों का विभाग 24 दिसंबर, 2024 को राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस पर सार्वजनिक उपयोग के लिए जागो ग्राहक जागो एप, जागृति एप और जागृति डैशबोर्ड का शुभारंभ करेगा। डिजिटल युग में उपभोक्ता संरक्षण को मजबूत करने और ई-कॉमर्स और ऑनलाइन सेवाओं में अनुचित प्रथाओं पर अंकुश लगाने के लिए सरकार की व्यापक रणनीति और चल रहे प्रयासों के हिस्से के रूप में, केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण ने 2023 में डार्क पैटर्न्स की रोकथाम और विनियमन के लिए दिशा-निर्देश अधिसूचित किए थे और 13 डार्क पैटर्न्स निर्दिष्ट किए थे, अर्थात झूठी तात्कालिकता, छुपी हुई खरीदारी, सहमति के लिए मजबूर करना, जबरन कार्रवाई, सदस्यता का जाल, इंटरफेस हस्तक्षेप, छल-कपट, धीरे-धीरे बढ़ती कीमतें, छुपा हुआ विज्ञापन और परेशान करना, छल-कपट वाली शब्दावली, सास बिलिंग और दुर्भावनापूर्ण मैलवेयर। सीसीपीए ने पहले इंडिगो एयरलाइंस और बुक माई शो को उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के तहत भ्रामक डिजाइन पैटर्न्स/डार्क पैटर्न्स के रूप में कथित भ्रामक विज्ञापन/अनुचित व्यापार प्रथाओं के लिए नोटिस जारी किया था। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) के संज्ञान में आया कि बुक माई शो ने कन्फर्म टिकट बुक करने के बाद ग्राहकों पर कथित रूप से अतिरिक्त शुल्क लगाया था। उपभोक्ता की सहमति के बिना प्री-टिक के रूप में बुक ए स्माइल में योगदान के रूप में प्रति टिकट 1 रुपया स्वचालित रूप से जोड़ दिया गया था। यह डार्क पैटर्न्स की रोकथाम और विनियमन, 2023 के दिशा-निर्देशों के अनुलग्नक 1 के खंड (2) के तहत परिभाषित बास्केट स्नीकिंग करना था। सीसीपीए के दखल के बाद बुक माई शो ने ग्राहकों को यह चुनने का विकल्प देकर बास्केट स्नीकिंग के मुद्दे को संबोधित किया कि वे बुक ए स्माइल में योगदान करना चाहते हैं या नहीं। राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन पर दर्ज शिकायतों के आधार पर, केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण ने इंडिगो एयरलाइंस एप पर कन्फर्म शेमिंग से संबंधित कथित अनुचित व्यापार प्रथाओं / डार्क पैटर्न और सीट आवंटन पर पारदर्शी संचार की कमी के लिए इंटरग्लोब एविएशन लिमिटेड (इंडिगो एयरलाइन) को नोटिस जारी किया। सीसीपीए के हस्तक्षेप के बाद इंडिगो एयरलाइन ने शब्द बदलकर 'नहीं, मैं यात्रा में कोई बदलाव नहीं करूंगा' करके इस मुद्दे को सुलझा लिया है, जो स्पष्टता और तटस्थता सुनिश्चित करता है। पहले इस्तेमाल किए गए शब्द 'नहीं, मैं जोखिम लूंगा' थे, जो 'सहमति के लिए मजबूर करना' था, जो एक डार्क पैटर्न है। एक अन्य मामले में, एयरलाइन को 'सीट का चयन' पृष्ठ पर 'छोड़ें' बटन के साथ जुड़ी समस्या को संबोधित करने और अपने वेब चेक-इन पेज की व्यापक पुनः जांच और फिर से डिजाइन करने का निर्देश दिया गया था। तदनुसार, एयरलाइन ने 'छोड़ें बटन' के बाईं ओर एक अस्वीकरण प्रदान करके अपनी वेबसाइट/एप में संशोधन करके 'प्राथमिकतापूर्ण सीटिंग' के इस मुद्दे को संबोधित किया, जहां यह लिखा है कि 'आप पसंदीदा सीट का चयन छोड़ सकते हैं और अपनी बुकिंग पूरी कर सकते हैं। इंडिगो आपकी यात्रा से पहले एक सीट स्वचालित रूप से आवंटित करेगा।' अपने विधायी उद्देश्य के हिस्से के रूप में, सीसीपीए ने उद्योग हितधारकों के साथ कई बैठकें कीं और उनसे डार्क पैटर्न्स का उपयोग करने से दूर रहने का अनुरोध किया, क्योंकि ऐसा करना उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 के तहत अनुचित व्यापार प्रथा है। सीसीपीए ने डार्क पैटर्न्स पर सूचनात्मक पोस्ट, वीडियो और कहानियों के जरिए से अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग करके अपने उपभोक्ता आउटरीच का विस्तार करने पर भी ध्यान केंद्रित किया है। सीसीपीए ने डार्क पैटर्न्स से संबंधित शिकायतों को प्रभावी ढंग से संबोधित करने के लिए राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन पर अपनी टीम को भी प्रशिक्षित किया है। उपभोक्ता मामले का विभाग अब ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर डार्क पैटर्न्स की पहचान करने के लिए साधनों और संसाधनों से लैस है और जल्द ही इन टूल्स के साथ उपभोक्ताओं को सशक्त बनाने जा रहा है। आईआईटी (बीएचयू) इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग के एनसीसी लैब में छात्रों द्वारा किए गए गहन शोध के भाग के रूप में, प्रिंस अमन और नमित मिश्रा द्वारा तीन एप्स विकसित किए गए हैं, जिनमें नाम हैं; जागो ग्राहक जागो एप, जागृति एप और जागृति डैशबोर्ड । ये एप्स एक बुद्धिमान साइबर-भौतिक प्रणाली का हिस्सा हैं, जो वास्तविक समय में काम करते हैं और एआई और डेटा एनालिटिक्स के लिए राष्ट्रीय सुपर कंप्यूटिंग मिशन के तहत ऐरावत एआई सुपरकंप्यूटर पर चलते है। यह अभिनव प्रणाली ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर मौजूदा टेक्स्ट और डिजाइन एलिमेंट्स का विश्लेषण करती है, ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि उनका उपयोग उपभोक्ता मनोविज्ञान को प्रभावित करने के लिए किया जा रहा है या नहीं। जागो ग्राहक जागो एप उपभोक्ता की ऑनलाइन गतिविधियों के दौरान सभी यूआरएल के बारे में आवश्यक ई-कॉमर्स जानकारी प्रदान करता है, उन्हें सचेत करता है कि कोई यूआरएल असुरक्षित हो सकता है और सावधानी बरतने की जरूरत है। इस बीच, जागृति एप उपयोगकर्ताओं को उन यूआरएल की रिपोर्ट करने की अनुमति देता है, जहां उन्हें एक या अधिक डार्क पैटर्न्स की उपस्थिति का संदेह है, जिन्हें अवैध घोषित किया गया है।

इतिहास और संविधान के नाम पर राजनीतिक कबड्डी और निराश जनता

भारतीय राजनीति में इतिहास और संविधान को लेकर बहसें नई नहीं हैं। राजनीतिक दल अक्सर अपनी विचारधाराओं, नीतियों और एजेंडा को मजबूत करने के लिए इतिहास और संविधान का सहारा लेते हैं। हाल ही में यह प्रवृत्ति और अधिक तीव्र हो गई है, जहां सियासी दल एक-दूसरे पर ऐतिहासिक तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश करने और संविधान की गलत व्याख्या करने का आरोप लगा रहे हैं।

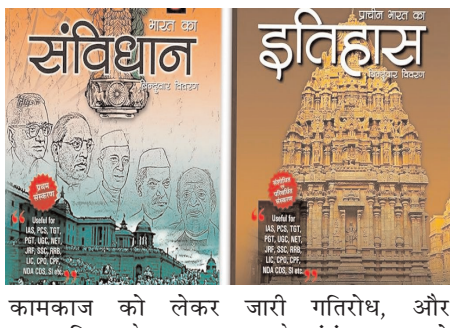

इतिहास को अपने पक्ष में मोड़ने का प्रयास राजनीतिक दलों के लिए कोई नई बात नहीं है। स्वतंत्रता संग्राम से लेकर संविधान निर्माण तक, हर महत्वपूर्ण घटना को अलग-अलग दृष्टिकोण से देखा गया है। मौजूदा समय में, राजनीतिक दल अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए इतिहास का इस्तेमाल इस तरह कर रहे हैं, मानो यह उनकी वैचारिक कबड्डी का मैदान हो। संविधान, जो देश की मूलभूत व्यवस्था और लोकतांत्रिक मूल्यों का आधार है, को भी इस संघर्ष में खींचा जा रहा है। सत्तारूढ़ दल और विपक्षी दल, दोनों ही, संविधान की अपनी-अपनी व्याख्या करते हुए एक-दूसरे पर लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाते हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि संविधान, जो राष्ट्रीय एकता और प्रगति का प्रतीक है, अब राजनीतिक दांवपेंच का हिस्सा बन चुका है। भारतीय इतिहास के विविध पक्षों को लेकर अक्सर विवाद होते रहे हैं। मुगलों के योगदान से लेकर आजादी की लड़ाई में नेताजी सुभाष चंद्र बोस, भगत सिंह और महात्मा गांधी की भूमिकाओं तक, हर घटना को अलग-अलग राजनीतिक नजरिये से देखा गया है। सत्ताधारी दल के लिए यह एक अवसर है कि वह अपनी विचारधारा के अनुरूप इतिहास का नया पाठ पढ़ाए। वहीं, विपक्ष इसे ऐतिहासिक तथ्यों के साथ खिलवाड़ मानता है। उदाहरण के तौर पर, हाल ही में पाठ्यक्रम में बदलाव और स्वतंत्रता संग्राम के नायकों की भूमिकाओं पर उठाए गए सवाल इस बहस को और अधिक तीव्र करते हैं। संविधान की दुहाई देना भारतीय राजनीति में एक आम रणनीति बन गई है। जब सत्ताधारी दल कोई बड़ा कदम उठाता है, जैसे कि संवैधानिक संशोधन, तो विपक्ष इसे संविधान के मूलभूत ढांचे पर हमला करार देता है। दूसरी ओर, विपक्षी दलों के विरोध प्रदर्शनों और नीतियों को भी सत्ताधारी दल लोकतंत्र विरोधी बताता है। हालिया घटनाओं, जैसे कि राज्यों के अधिकारों पर केंद्र की नीतियों का प्रभाव, संसद के कामकाज को लेकर जारी गतिरोध, और न्यायपालिका के साथ सरकार के संबंध, इन सबने संविधान की व्याख्या को लेकर एक नई बहस को जन्म दिया है। मीडिया और आम जनता भी इस 'इतिहास की कबड्डी' और 'संविधान की लड़ाई' में अहम भूमिका निभाते हैं। जहां एक ओर मीडिया कुछ घटनाओं को सनसनीखेज बनाकर पेश करता है, वहीं जनता अक्सर सोशल मीडिया के माध्यम से अपने विचार व्यक्त करती है। दुर्भाग्यवश, यह विचार-विमर्श कभी-कभी असत्यापित तथ्यों और ध्रुवीकृत दृष्टिकोणों का शिकार हो जाता है।

इतिहास और संविधान को लेकर राजनीतिक संघर्ष भारतीय लोकतंत्र की बहस को जीवंत बनाता है, लेकिन यह जरूरी है कि यह बहस रचनात्मक और तथ्यों पर आधारित हो। इतिहास और संविधान के सही अध्ययन के लिए शिक्षा प्रणाली को और अधिक पारदर्शी और निष्पक्ष बनाना चाहिए। मीडिया को तथ्यों को जांचने और सटीक जानकारी प्रस्तुत करने में अपनी भूमिका निभानी चाहिए।आम जनता को भी ऐतिहासिक और संवैधानिक तथ्यों की सही जानकारी रखनी चाहिए, ताकि वे किसी भी प्रचार से प्रभावित न हों। भारतीय राजनीति में इतिहास और संविधान की लड़ाई महज विचारधारा की लड़ाई नहीं है, बल्कि यह देश के भविष्य को प्रभावित करने वाली एक गंभीर चुनौती है। राजनीतिक दलों को यह समझना होगा कि इतिहास और संविधान किसी विशेष पार्टी की बपौती नहीं हैं। इन्हें तोड़-मरोड़कर पेश करना न केवल लोकतंत्र को कमजोर करता है, बल्कि देश की एकता और अखंडता पर भी सवाल खड़े करता है। ऐसे में, आवश्यकता इस बात की है कि राजनीतिक दल अपनी सीमाएं समझें और इतिहास तथा संविधान को अपने राजनीतिक फायदे के लिए इस्तेमाल करने के बजाय, देश की प्रगति और विकास के लिए सही दृष्टिकोण अपनाएं।

(राजीव खरे चीफ ब्यूरो छत्तीसगढ़)

जिले के 27 हजार से अधिक महिलाओं को किया जा रहा है महतारी वंदन योजना से लाभान्वित

महतारी वंदन सम्मेलन में शामिल हुए वनमंत्री श्री केदार कश्यप

गणेश वैष्णव । सिटी चीफ
नारायणपुर, प्रदेश मे महिलाओ के आर्थिक स्वावलंबन तथा उनके स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर मे सतत सुधार तथा परिवार मे उनकी निर्णायक भूमिका सुदृढ़ करने हेतु, समाज मे महिलाओं के प्रति भेदभाव, असमानता एवं जागरूकता की कमी को दूर करने, स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर मे सुधार करने तथा आर्थिक स्वावलंबन एवं सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मंत्री परिषद द्वारा सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में महतारी वंदन योजना लागू किए जाने का निर्णय लिया गया, जिसके अंतर्गत पात्र विवाहित महिलाओ को प्रतिमाह 1000 रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है, जिसके तहत् राज्य सरकार के 1 वर्ष पूर्ण होने की उपलक्ष्य में महतारी वंदन सम्मेलन का आयोजन जिले के ऑडिटोरियम में वन एवं जलवायु परिवर्तन, जल संसाधन, कौशल विकास, सहकारिता और संसदीय कार्य मंत्री श्री केदार कश्यप की अध्यक्षता में आयोजित की गई। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की सरकार द्वारा प्रदेश के लगभग 70 लाख महिलाओं को इसका लाभ दिया जा रहा है, जिसमें जिले के 27 हजार 597 महिलाओं को महतारी वंदन योजना से प्रति माह 1 हजार रुपए उनके खाते में अंतरण किया जा रहा है। इसी प्रकार देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी के तहत प्रधानमंत्री आवास, नल-जल योजना, तेंदूपत्ता योजना और आयुष्मान कार्ड हर व्यक्ति का बनाया जा रहा है, जिसका लाभ सभी हितग्राहियों को दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश के माता एवं बहनों को उनके आत्मनिर्भर स्वावलंबी और आर्थिक उन्नति की दिशा में कार्य करने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेक इरादा और दूर दृष्टि के कारण हर गांव में हर घर में शौचालय का निर्माण हो सका है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के सरकार ने राज्य के 18 लाख हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास दिए जाने का निर्णय लिया गया है, यह कार्य शीघ्र ही पूर्ण किया जाएगा। प्रदेश सरकार द्वारा कई महत्वपूर्ण योजनाएं लोगों के लिए चलाए जा रहे हैं, एक ही वर्ष में आधे से अधिक कार्य पूर्ण हो गया हैं। इसी प्रकार माता एवं बहनों को लखपति दीदी बनाने और ड्रोन दीदी बनने का सपना भी सरकार शीघ्र ही साकार करने जा रहा है। वनमंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि आजादी के 75 वर्षों के बाद भी योजनाओं का लाभ गरीबों तथा वंचितों को नहीं मिल पा रहा था, तब हमारी सरकार बनते ही योजनाओं का लाभ सभी पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाया जा रहा है। जनकल्याणकारी योजनाओं को गांव के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाई जा रही है, जिससे प्रदेश के शतप्रतिशत हितग्रहियों को इसका लाभ मिल रहा है। कार्यक्रम स्थल पर महिला एवं बाल विकास विभाग और पुलिस विभाग द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। वनमंत्री ने जनसंपर्क विभाग द्वारा सरकार के 01 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में योजनाओं से संबंधित लगाई गई फोटो प्रर्दशनी को भी देखा और सराहना करते हुए लोंगो तक योजनाओं के बारे में प्रचार-प्रसार करने निर्देशित किये। महतारी वंदन सम्मेलन में मंत्री श्री केदार कश्यप ने हितग्राहियों को शॉल एवं श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया तथा हितग्राहियों से सेल्फी फोटो लिया। कार्यक्रम में पद्मश्री वैद्यराज हेमचंद मांझी, जिला पंचायत सदस्य प्रताप मंडावी, पार्षद प्रमिला प्रधान, जैकी कश्यप, विकास मरकाम, बृजमोहन देवांगन, गौतम एस गोलछा, नरेंद्र मेश्राम, कलेक्टर बिपिन मांझी, डीएफओ सचिकानंदन के, जिला पंचायत सीईओ वासु जैन, अपर कलेक्टर बीरेंद्र बहादुर पंचभाई, अभिषेक गुप्ता, जिला कार्यक्रम अधिकारी रविकांत धुर्वे सहित जनप्रतिनिधि, परियोजना अधिकारी और पर्यवेक्षकगण उपस्थित थे।

बीजापुर के उल्लूर गांव में 16 दिनों से हो रहा पानी का इंतजार

लोग पानी के लिए हो रहे परेशान

हनमन्त राव बोरे। सिटी चीफ
बीजापुर, भोपाल पटनम के आश्रित ग्राम उल्लूर में पिछले 8/12/2024 से आज दिनांक 23/12/2024 तक नल से जल पहुंचाने का उद्देश्य है लेकिन 16 दिन हो गया आज तक नल से पानी नहीं आया है नल के कर्मचारी 15/12/2024 को गांव आये थे बोले कि दो दिन लगेगा लेकिन आज 23/12/2024 हो गया आज तक नल से पानी आया ना ही कर्मचारियों का अता न पता है डी आर साहब से संपर्क करना चाहते हैं तो फोन रिसीव नहीं करते हैं कुछ घरों में नल आज तक पानी नहीं आया है लोग पानी के लिए परेशान हो रहे हैं।

सहारनपुर में पीसीएस परीक्षा में 11712 में से मात्र 31.94 फीसद अभ्यर्थी ही हुए शामिल, पहली पाली में उपस्थिति 32.30 फीसद थी

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर, प्रवर अधीनस्थ सेवा (प्रारंभिक परीक्षा 2024) में सहारनपुर में 26 केंद्रों पर दो पालियों में शांतिपूर्वक परीक्षा हुई। जिसमें 31.94 फीसद अभ्यर्थी ही शामिल हुए। जबकि परीक्षा देने वालो की कुल संख्या 11 हजार 712 थी। पहली पाली में उपस्थिति 32.30 फीसद थी। जो गिरकर दूसरी पाली में 31.94 फीसद रह गई। पहली पाली में 3783 ने परीक्षा दी जबकि दूसरी पाली में यह संख्या 0.36 फीसद और घट गई। पहली पाली में जहां 7929 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। वही दूसरी पाली में अनुपस्थित अभ्यर्थी बढकर 7971 हो गए। दूसरी पाली में 3741 अभ्यर्थी उपस्थित रहे। अर्थात पहली पाली में परीक्षा देने वाले 42 और अभ्यिथयों ने दूसरी पाली की परीक्षा छोड दी। दूसरी पाली में परीक्षा देने वाले अभ्यर्थियों की संख्या 3741 यानि 31.94 फीसद रही और 68.06 फीसद अनुपस्थित रहे। जिलाधिकारी मनीष बंसल और एसएसपी रोहित संजवान, एसपी सिटी अभिमन्यु मांगलिक, एडीएम डा. अर्चना द्विवेदी, रजनीश मिश्र, समेत आला अफसर परीक्षा की निगरानी कर रहे थे। इतनी बडी संख्या में अभ्यर्थियों का परीक्षा से अनुपस्थित रहना चौकाता है। संघ लोक सेवा आयोग की लिखित परीक्षा में असफल रहे देवबंद के एक कैंडिडेट प्राज्ञय जैन ने आखिरी वक्त में परीक्षा में शामिल होने का फैसला बदल दिया। वह बोले कि वह अगले वर्ष फिर से इसी परीक्षा में भाग लेंगे। पीसीएस में कोई रूचि नहीं है। प्राज्ञय जैन जैसी सोच रखने वाले अनेक अभ्यर्थी अनुपस्थितों में शामिल थे। अनुपस्थित अभियर्थियों में ऐसे अभ्यर्थी शामिल थे जिनका चयन संघ लोक सेवा आयोग की लिखित परीक्षा में हो गया है। जिले के सूचना अधिकारी दिलीप गुप्ता के मुताबिक परीक्षा में नकल करने की शिकायत परीक्षा जारी रहने तक प्राप्त नहीं हुई थी। जिला प्रशासन ने इस परीक्षा के लिए बहुत ही बेहतर और सुरक्षित प्रबंध किए। अभ्यर्थियो ने किसी तरह की कोई शिकायत नहीं की।

द दून वैली में मिशन शक्ति के अंतर्गत छात्राओं के लिए कार्यशाला का हुआ आयोजन

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर । देवबंद, द दून वैली में मिशन शक्ति के अंतर्गत छात्राओं के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। उत्तर प्रदेश राज्य सरकार द्वारा नारी सम्मान, सुरक्षा स्वावलम्बन एवं शिक्षा को समर्पित 'मिशन शक्ति' की कार्यशाला का आयोजन द दून वैली पब्लिक स्कूल के सभागार में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्कूल के चेयरमैन राजकिशोर गुप्ता, उप-प्रधानाचार्य हरदीप सिंह और स्कूल के एडमिन हेड मौ0 आज़म ने पुलिस विभाग से पधारे अतिथियों का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत करते हुए किया। इस अवसर पर स्कूल की छात्राओं ने अतिथियों का तिलक कर उनका अभिनंदन किया। कार्यक्रम मे इंस्पेक्टर देवबन्द सुनील नागर के नेतृत्व में सहायक इंस्पेक्टर राजेश गिरी, उप-निरीक्षक सुश्री वर्षा कुशवाहा व मिथलेश राठौर तथा हेड कांस्टेबल रितु तोमर व कांस्टेबल अंशिका ने छात्राओं को सरकार की महिलाओं के प्रति व्यापक नीतियों के बारे में समझाया तथा इससे संबंधित एक फिल्म दिखाकर जागरूक किया। इस अवसर पर छात्राओं को निर्भय होकर अध्ययन करने की सलाह देते हुये सुश्री वर्षा कुशवाहा ने किसी आकस्मिक घटना, दुर्घटना तथा अपराध होने पर पुलिस की त्वरित सहायता प्राप्त करने के लिये विभिन्न मोबाइल नम्बर शेयर किये। मिशन शक्ति को विस्तृत रूप से जानकर छात्राओं में उत्साह का संचार हुआ। कार्यक्रम के अंत में स्कूल के चेयरमैन राजकिशोर गुप्ता ने अपने उद्बोधन मे स्कूल के माध्यम से नारी शिक्षा के लिये किये जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला तथा लड़कियों को सजगता और निडरता के साथ अध्ययन को जारी रखने के लिये प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम का संचालन कक्षा ग्यारह की छात्राओं मेघना व हरप्रीत ने सफलतापूर्वक किया। इस अवसर पर स्कूल की सभी छात्राएं तथा महिला अध्यापिकाएं मौजूद रही।

विकलांग को ट्राई साइकिल, निर्धन महिलाओं को आजीविका हेतु चार सिलाई मशीन, निर्धनों को रजाई व कंबल आदि वितरित किए गए

देवबंद में मनाया गया मानव कल्याण मंच का 29 वें वार्षिकोत्सव कार्यक्रम

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर । देवबंद, मानव कल्याण मंच देवबंद का 29 वां वार्षिकोत्सव तेज पैलेस, रणखंडी रोड, देवबंद पर धूमधाम के साथ आयोजित हुआ। कार्यक्रम का उद्घघाटन नारियल तोड़कर राजेश गुप्ता अध्यक्ष किरयाना एसोसिएशन ने व फीता काटकर अरुण गोयल एडवोकेट द्वारा किया गया। मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलन समारोह अध्यक्ष अजय मित्तल चेयरमैन-मेपल्स एकेडमी व विशिष्ट अतिथि डाक्टर रवि प्रकाश खुराना द्वारा किया गया। मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण सम्मानित अतिथि प्रदीप अग्रवाल एडवोकेट व विशिष्ट अतिथि डाक्टर डी. के . जैन द्वारा किया गया। मानव कल्याण मंच के 29 वें वार्षिक समारोह में नर सेवा नारायण सेवा के अंतर्गत बहुत से सेवा कार्य किए गए। सेवा कार्यों की श्रृंखला में विकलांग को ट्राई साइकिल, निर्धन महिलाओं को आजीविका हेतु चार सिलाई मशीन, निर्धनों को रजाई व कंबल, श्रीकृष्ण गौशाला को चोकर की बोरी, अति निर्धन परिवारों को खाद्यान्न वितरण, सर्दी से बचाव हेतु संस्कृत पाठशाला के विद्यार्थियों को ऊनी वस्त्र, आर्य समाज स्कूल, एल पी एस एम इंटर कॉलेज, उच्च प्राथमिक विद्यालय सांखन कला के जरूरतमंद स्कूली बच्चों को सर्दी से बचाव हेतु जर्सियां व श्री संतोषी माता मंदिर छिंपीवाड़ा, देवबंद को चार पंखे वितरित किए गए। वार्षिकोत्सव में समारोह अध्यक्ष अजय मित्तल चेयरमैन मेपल्स एकेडमी ने अपने संबोधन में मानव कल्याण मंच देवबंद के सेवा कार्यों की प्रशंसा की और कहा कि यह एकमात्र ऐसी संस्था है जो वास्तव में निर्धन, असहाय लोगों की निरंतर मदद कर रही है। कार्यक्रम के सम्मानित अतिथि प्रदीप अग्रवाल एडवोकेट ने अपने संबोधन में कहा कि दीन-दुखियों व प्रत्येक प्राणी के हित की भावना से लोक कल्याण करते हुए शास्त्रों के बताए मार्ग पर चलना ही भगवान की सच्ची पूजा है। सभ्य समाज सदैव ऐसे लोगों का ऋणी रहता है जो सच्चे मन से जरूरतमंद लोगों की सेवा करते हैं और मानव कल्याण मंच इसी बात को चरितार्थ कर रहा है। मंच के वार्षिकोत्सव में नरेश चौहान एडवोकेट अध्यक्ष अधिवक्ता एसोसिएशन देवबंद को मानव कल्याण मंच द्वारा पटका व पगड़ी पहनाकर व अभिनन्दन पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सम्मानित अतिथि अधिवक्ता अरुण गोयल ने अपने संबोधन में मंच का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मानव मात्र की सेवा ही सबसे बड़ी सेवा होती है तथा दीन-दुखियों की सहायता करने से बड़ा कोई भी पुण्य कार्य इस सृष्टि पर नहीं है। गरीबों की मदद करने से आत्मसुख की अनुभूति होती है और मंच इस काम को बखूबी निभा रहा है। कार्यक्रम में 6 नए सदस्यों राजेंद्र शर्मा पूर्व प्रधानाचार्य के.एल. जनता इंटर कॉलेज, देवबंद, मुकेश कुमार, वैभव अग्रवाल, सुमित सैनी, मनमोहन गर्ग एवं नीरज गर्ग ने मानव कल्याण मंच की सदस्यता ग्रहण की। समारोह में दीपक राज सिंघल वरिष्ठ भाजपा नेता ने अपने विचार रखते हुए कहा कि यदि समाज के सभी संपन्न लोग निर्धन लोगों की मदद करने का बीड़ा उठा ले तो हमारे देश से गरीबी हमेशा के लिए समाप्त हो जाएगी और आने वाली पीढ़ियां हमें हमेशा याद रखेंगी।वार्षिकोत्सव में मंच संस्थापक अरुण अग्रवाल ने कहा कि मानव मात्र को हमेशा धर्म के पथ पर चलकर सदा दीन-दुखियों की सेवा करनी चाहिए, क्योंकि दीन-दुखियों की आत्मा में भगवान का निवास होता है। उन्होंने कहा कि हमें दान करना चाहिए क्योंकि दान करने से मानव के इहलोक और परलोक दोनों सुधर जाते है। इसलिए मानव मात्र को हमेशा सत्य का साथ देकर दीन-दुखियों की सेवा करनी चाहिए। महिला मंडल महासचिव श्रीमती पूजा छाबड़ा ने प्रत्येक माह होने वाले सेवा कार्यो के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि मंच प्रत्येक माह सेवा कार्यों में निःशक्त को चश्मा, श्रवण यंत्र, बैसाखी, खाद्यान्न, पुस्तक तथा निर्धनों को जरूरत के अनुसार सहायता प्रदान कर रहा है और भविष्य में भी करता रहेगा। ऐसा करने से हमें आत्म सुख की अनुभूति होती है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि डॉ रवि प्रकाश खुराना, राजेश गुप्ता, डॉक्टर डी.के. जैन ने मंच द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों को ईश्वरीय सेवा बताया। नगर से वक्ताओं के संबोधन में श्रीमती चित्रा जोशी प्रधानाचार्या मैपल्स एकेडमी ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में कोई ने कोई सेवा कार्य अवश्य करना चाहिए। मानव कल्याण मंच के सेवा कार्य समाज के प्रत्येक जनमानस को सेवा के लिए प्रेरित कर रहे हैं और भविष्य में भी करते रहेंगे। कार्यक्रम में देवीदयाल शर्मा एडवोकेट ने अपने सम्बोधन में कहा कि संतों की वाणी सुनना, गरीबों के आंसू पौछना, दुख दूर करना भी धर्म होता है। गरीबों की सहायता करना भी धर्म होता है। घर में संयम, नियम संयम का पालन करना चाहिए तभी आत्मा का कल्याण हो सकता है। इन्होंने सेवा कार्यों पर अपने विचार व्यक्त किए तथा मंच द्वारा किया जाए कार्यों की विशेष रूप से प्रशंसा की। कार्यक्रम में मंच की वर्ष 2024-2025 की नई कार्यकारिणी की घोषणा व शपथ ग्रहण एडवोकेट अमित गोयल द्वारा करायी गयी। नई कार्यकारिणी में अध्यक्ष- सुशील कर्णवाल, उपाध्यक्ष गिरीश अग्रवाल, नरेंद्र बंसल, राजकुमार जाटव को नियुक्त किया गया, महासचिव पद को राजू सैनी सुशोभित करेंगे, दो सचिव जितेंद्र कश्यप, अमन गोयल होंगे, कोषाध्यक्ष सुनील बंसल होंगे, सहकोषाध्यक्ष यश बंसल, धनन्जय भटेजा, होंगे, संगठन मंत्री प्रमोद मित्तल, रविंद्र कश्यप एडवोकेट रहेंगे,ऑडिटर कुशल सिंघल व श्याम चौहान रहेंगे,भवन प्रबंधक अमित गर्ग बिट्टू व चंद्र प्रकाश गाबा रहेंगे, मीडिया प्रभारी संजय सैनी व कानूनी सलाहकार लोकेश वत्स एडवोकेट होंगे। मार्गदर्शक मंडल में सत्येंद्र जैन व अजय बंसल व नंदकिशोर नगर, राजीव शर्मा रहेंगे। यह नई कार्यकारिणी का मार्गदर्शन करते रहेंगे। कार्यक्रम में विभिन्न स्कूलों बचपन प्ले स्कूल, एस . के . हैप्पी स्कूल रेलवे रोड, एस . के . पी. हैप्पी स्कूल कायस्थवाड़ा, मेपल्स एकेडमी, दून हिल्स एकेडमी, जीवन योगा संस्थान ट्रस्ट देवबंद के बच्चों द्वारा दी गई सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सबका मन मोह लिया। मंच संस्थापक अरुण अग्रवाल द्वारा सभी अतिथियों को प्रतीक चिन्ह भेंट किए गए। मंच महासचिव सुशील कर्णवाल द्वारा मंच के कार्यों को बड़े विस्तार से बताया गया। वार्षिकोत्सव समारोह में देवबंद के वरिष्ठ पत्रकार गौरव सिंघल और अन्य पत्रकारों को श्री कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर अवार्ड से सम्मानित किया गया। मंच संस्थापक अरुण अग्रवाल द्वारा सभी अतिथियों व आगंतुकों का आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में मंच की वर्ष 2024 -2025 की महिला मंडल की नई कार्यकारिणी की घोषणा भी की गई। जिनकी शपथ ग्रहण नरेश चौहान एडवोकेट द्वारा करायी गयी। नई कार्यकारिणी में अध्यक्षा - श्रीमती अनीता बंसल, उपाध्यक्ष पूजा छाबड़ा, महासचिव मीनू शर्मा, सचिव चांदनी गर्ग, कोषाध्यक्ष ममता वर्मा, सहकोषाध्यक्ष अंजलि त्यागी, मीडिया प्रभारी रीटा सिंह, महिला संयोजिका श्रीमति डॉक्टर कान्ता त्यागी, श्रीमति शशि गुगलानी, मार्गदर्शक मंडल में श्रीमति प्रतिभा जैन रहेंगी। कार्यक्रम में मुख्य रूप से अरूण गुप्ता नगर अध्यक्ष भाजपा देवबंद, आशुतोष गुप्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, अजय गाँधी, मनोज चौधरी, वरिष्ठ पत्रकार गौरव सिंघल, अमित सिंघल एडवोकेट, आलोक गर्ग, अमित गोयल एडवोकेट, अजय बंसल, विनोद जैन दस्तावेज लेखक, राकेश गर्ग, पूर्व प्रधानाचार्य धर्मपाल महाजन, राजन छाबड़ा, रोहित अग्रवाल, विनोद गर्ग, शलभ अग्रवाल,भोपाल सिंह, प्रवीण जैन, रविंद्र चौधरी, देश दीपक त्यागी एडवोकेट, सीटू सैनी, प्रतिभा जैन, पूजा छाबड़ा, ममता वर्मा, पूजा शर्मा, पूनम कौशिक, मीनू शर्मा,अंजू जैन, गुड्डी वर्मा, अलका अग्रवाल, आशी अग्रवाल, पूजा वर्मा, रोजी कौर, चंद्रप्रकाश गाबा,गुरमीत बेदी, पूनम भटनागर, अंजलि त्यागी, ममता वर्मा, शुभलेश शर्मा, पूजा वर्मा, धीरज सोनी,सारिका त्यागी, शिप्रा अग्रवाल, ममता पुंडीर, दीपिका प्रभाकर, सारिका कश्यप, मोनिका टांक ,पूजा बंसल आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन राजीव शर्मा द्वारा किया गया।

कोरजा के जंगल में जुआ फड में रेड कार्यवाही कर बिजुरी पुलिस द्वारा 205500 रुपये का मशरुका किया जप्त

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ अनूपपुर, प्रकरण का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि दिनांक 22/12/2024 को बिजुरी पुलिस द्वारा मुखबिर सूचना पर कोरजा जंगल में जुआ फड पर रेड कार्यवाही कर जुआ फड से आरोपीगण रामप्रमोद चौधरी पिता ओमसाय चौधरी उम्र 38 वर्ष निवासी उर्जानगर सी ब्लक क्रा. न. 1269 , सुधीर मण्डल पिता स्व, भुवनेश्वर मंडल उम्र 52 वर्ष निवासी उर्जा नगर सी ब्लाक क्रा. नं. 1271 , लोकनाथ केवट पिता भागवत केवट उम्र 53 वर्ष निवासी कपिलधारा कालोनी क्रा. नं. 24 , ओमप्रकाश जायसवाल पिता कृष्णपाल जायसवाल उम्र 31 वर्ष निवासी माईनस कालोनी बिजुरी क्रा. .न. 12 , रिजवान खान पिता स्व. अहमद खान उम्र 42 वर्ष निवासी कपिलघधारा कालोनी क्रा. नं. 1155 सभी थाना बिजुरी जिला अनूपपुर को अभिरक्षा में लेकर कुल नगदी रकम 5500 रुपये एवं 52 ताश के पत्ते व चार्जिंग टार्च एक काले रंग की टी.व्ही. एस अपाचे मोटर सायकल क्र. MP65ME4815 ,एक ग्रे कलर की होण्डा एसपी शाईन मोटर सायकल क्रमांक CG16CQ0770 एवं एक लाल काले रंग की हीरो पेंशन मोटर सायकल क्रमांक MP18MC5907 कुल मशरुका 205500 रुपये का मशरुका आरोपीगणो के कब्जे से बरामद हुआ। उक्त रेड कार्यवाही में थाना प्रभारी बिजुरी निरीक्षक विकास सिंह ,सउनि प्रदीप अग्निहोत्री, प्र.आर. सतीष मिश्रा, आर. लक्ष्मण डांगी, आर. रवि सिंह , आर. नरेन्द्र जाट , अभिषेक शर्मा , आर. प्रभाकर त्रिपाठी,आर. राजदेव सिह, आर. राकेश चौहान ,आर. रामनिवास गुर्जर , आर. की उल्लेखनीय भूमिका रही।

अखिल भारतीय गढ़वाल समाज की कार्यकारिणी बैठक संपन्न नववर्ष पर समाज का युवक युवती परिचय सम्मेलन 19 को

पंचेश्वर लाकेश । सिटी चीफ लालबर्रा, अखिल भारतीय गढ़वाल समाज महासभा की एकदिवसीय कार्यकारिणी बैठक शुभ मैरिज लॉन भटेरा बालाघाट में 22 दिसम्बर दिन रविवार को आयोजित की गई,उक्त आयोजित बैठक में राष्टीय स्तर के सभी पदाधिकारीयों ने शिरकत किया जिसमें मुख्य रूप से अखिल भारतीय गढ़वाल समाज के संरक्षक,राष्टीय अध्यक्ष,मंडलअध्यक्ष,कार्यकारिणी सदस्य तथा युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष,और महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष बैठक में उपस्थित रहे, सर्व प्रथम बैठक प्रारंभ होने के पूर्व मां सरस्वती एवं समाज के संस्थापक बापू मुरारी जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर सरस्वती वंदना के साथ बैठक प्रारंभ की गई,तत्पश्चात मंचासीन अतिथियों का स्वागत सत्कार फुलमाला पहनाकर तिलक लगाकर किया गया। महासभा कोषाध्यक्ष प्रदीप खरे द्वारा आय व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया गया,तथा एजेंडे अनुसार बालाघाट में स्थित दान स्वरूप भूमि जिस पर छात्रावास भवन निर्माण होना है,जिसका निर्माण समिति का गठन पर चर्चा कर निर्माण समिति बनाई गई जिसके अध्यक्ष श्री कमलेश्वर अजीत जी (पूर्व अध्यक्ष आभागस) को बनाया गया तथा सहयोगी सदस्यों में राजेंद्र ब्रम्हे बालाघाट, बंटी अर्जुनवार किरनापुर,अरुण भारद्वाज खैरागढ़,डामेंद्र धानेश्वर (शिक्षाविद्) लालबर्रा,दयाशंकर अजीत सिवनी,दुर्गाप्रसाद शिववंशी नागपुर,ओमेश्वर नागेश्वर भरवेली,नेतलाल कुरूम लालबर्रा,किशोर दिनेवार बालाघाट,विनोद हरिद्वाज दमोह शामिल हैं,फिर युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष राहुल शिववंशी ने युवा प्रकोष्ठ की कार्यकारिणी की घोषणा की तथा महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष श्रीमती ममता पटेल द्वारा भी अपनी समिति कि घोषणा मंच से की,तत्पश्चात सामाजिक परिचय सम्मेलन पर विचार विमर्श किया गया, जिसमें 19 जनवरी को सम्पन्न कराने पर सहमती बनी जिसका सभी लोगों ने समर्थन किया,जिसमें युवा प्रकोष्ठ तथा महिला प्रकोष्ठ को परिचय सम्मेलन करवाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है,जिसमें बालाघाट केंद्र बिंदु होने के कारण बालाघाट मंडल से चर्चा प्रारंभ है,अगर युवा प्रकोष्ठ और महिला प्रकोष्ठ मिलकर इस कार्य को अंजाम तक पहुंचाते है तो यह कार्य गागर में सागर जैसा साबित होगा।अंत में स्वल्प आहार कर कार्यकारिणी बैठक का समापन किया गया। बैठक में मुख्य रूप से अखिल भारतीय गढ़वाल समाज के संरक्षक कमलेश्वर अजीत, सुंदरलाल नागोत्रा,टीकाराम चावरे,खुमेश अजीत,रविन्द्र नागेश्वर अध्यक्ष (अभागस) उपाध्यक्ष प्रकाश अर्जुनवार, कमलेश नागेश्वर,गोविंदराम खरे, प्रदीप सिंह खरे कोषाध्यक्ष,पूर्व कोषाध्यक्ष राजेश नागवंशी, पीताम्बर नागेश्वर सचिव,सहसचिव संतोष अर्जुनवार,चंद्रकांत वंशपाल, क्षेत्रीय अध्यक्ष दयाशंकर अजीत, जगदीश भारद्वाज,जागेश्वर चंद्रवंशी,प्रचार मंत्री देवेंद्र अजीत, लेखसिंह भारद्वाज,महासभा मीडिया प्रभारी व मंडल सचिव श्री शरद धानेश्वर,हितेशअजीत, युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष राहुल शिववंशी,महिला प्रकोष्ठअध्यक्ष श्रीमती ममता पटेल एवं अनेक मंडलों से आए मंडल अध्यक्ष,सचिव तथा कार्यकारिणी के सदस्य गण उपस्थित थे।

डेढ़ वर्षों से गुमशुदा 19 वर्षीय नवयुवती को कोतवाली अनूपपुर पुलिस द्वारा दस्तयाब कर परिजनों के किया सुपुर्द

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ अनूपपुर, पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री मोती उर रहमान द्वारा जिले में गुम महिला एवं पुरूष की तलाश कर परिजनो को मिलवाये जाने हेतु सभी थानो में तत्परता पूर्वक कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है। जिसके पालन में कोतवाली पुलिस द्वारा विगत डेढ वर्षों से गुमशुदा 19 वर्षीय नवयुवती को दस्तयाब कर परिजनो के किया सुपुर्द किया है। करीब डेढ वर्ष पूर्व दिनांक 15.05.23 को रामबाई कोरी पति रामप्रसाद कोरी उम्र 36 साल निवासी ग्राम सकरिया के द्वारा उसकी 19 वर्षीय पुत्री हेमा कोरी के गुम हो जाने की रिपोर्ट पर थाना कोतवाली अनूपपुर में गुम इंसान रिपोर्ट क्रमांक 53/23 पंजीबद्ध किया जाकर तलाश की जा रही थी। टी.आई. कोतवाली अरविन्द जैन के नेतृत्व में प्रधान आरक्षक शिवशंकर प्रजापति एवं आरक्षक पूर्णानन्द मिश्रा के द्वारा उक्त गुमशुदा महिला हेमा कोरी को ग्राम मेड़ियारास थाना चचाई से दस्तयाब कर परिजनो को सुपुर्द किया गया है। डेढ वर्षों से लापता पुत्री को वापस परिवार से मिलाने के लिए परिवारजन ने पुलिस को आभार व्यक्त किया है।

छत्तीसगढ़ महिलाओं के चेहरे पर दिख रही खुशहाली और मुस्कान बता रही है महतारी वंदन योजना की सफलता

राजीव खरे । सिटी चीफ रायपुर, राज्य सरकार द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए लागू की गई महतारी वंदन योजना की सफलता उनके चेहरों की मुस्कान बता रही है। महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं और इस योजना के माध्यम से उनके जीवन में खुशहाली और समृद्धि का संचार हो रहा है। उक्त बातें विधायक रायपुर उत्तर पुरन्दर मिश्रा ने सुशासन सप्ताह के दौरान आयोजित विधानसभा स्तरीय महतारी सम्मान समोरोह पंडरी स्थित प्रगति मैदान में आयोजित कार्यक्रम में कही। उन्होंने कहा कि महतारी वंदन योजना ने महिलाओं को रोजगार के नए अवसर प्रदान किए हैं, जिससे वे न केवल अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत कर रही हैं, बल्कि समाज में अपनी पहचान भी बना रही हैं। इस दौरान विधायक मिश्रा ने मुख्यमंत्री की पाती का भी वाचन किया। जिसको लेकर मौजूद लोगों में उत्साह दिखा। कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कहा, कि राज्य सरकार का उद्देश्य महिलाओं को सशक्त बनाना और उन्हें अपने पैरों पर खड़ा करना है, ताकि वे किसी पर निर्भर न रहें। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि जिनको राशि मिल रही है उसको निकाल कर अन्य बचत कार्यों में लगा रही है उसके लिए उन्हें बैंक जाना पडता है तो दो बार जाना होता है। इसके लिए उन्हें संबंधित बैंक में जाकर एकबार जानकारी देनी होगी जिससे उनकी उक्त राशि सीधे उस खाते में चली जाएगी। इसके लिए उन्हें बार बार बैंक का चक्कर नहीं लगाना होगा। कार्यक्रम में बाल विवाह रोकथाम के लिए शपथ भी ली गई, जिसमें उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों और उपस्थित जन समूह ने यह संकल्प लिया कि वे बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता फैलाएंगे और इसे रोकने के लिए सक्रिय रूप से काम करेंगे। मंचस्थ अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती की पूजन-वंदना पश्चात अतिथियों का स्वागत अभिनदंन हुआ। तत्पश्चात परियोजना अधिकारी सरोजनी चौधरी द्वारा महतारी वंदन योजना व महतारी वंदन सम्मेलन की रूपरेखा बताते हुए कार्यक्रम पर प्रकाश डाला गया। वहीं इसके बाद महतारी वंदन योजना की ऐसी 20 हितग्राहियों का मुख्य अतिथि द्वारा स्वागत किया गया जिन्होंने महतारी वंदन योजना की प्राप्त राशि का स्वव्यवसाय या रोजगार परक कार्य मे सदुपयोग किया है। अगले क्रम में नोनी सुरक्षा योजना व सुकन्या समृद्धि योजना की लाभान्वित हितग्राहियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में फुगड़ी,महिला रस्साकस्सी,महिला कुर्सी दौड़, नींबू चम्मच स्पर्धा के विजेता महिलाओ को अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया गया । कार्यक्रम स्थल में महिला स्वास्थ्य कैम्प, आधार कैम्प, सुकन्या समृद्धि योजना कैम्प के साथ ही पौष्टिक व्यंजन व हरी साग सब्जियों की प्रदर्शनी लगाई गई,जिसका उपस्थित सम्माननीय अतिथियों द्वारा भी अवलोकन किया गया। कार्यक्रम में पार्षद प्रमोद साहू, सूर्यकांत राठौर, सीमा साहू, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास विभाग शैल ठाकुर सहित आँगनबाड़ी कार्यकर्ता व सहायिका एवं समस्त महतारी वंदन योजना की लाभान्वित महिलाएं उपस्थित रहीं।

छत्तीसगढ़ 24वीं राष्ट्रीय वनवासी क्रीड़ा प्रतियोगिता में 27 से 31 दिसम्बर तक दिखेगा जनजातीय खिलाड़ियों का रोमांच

राजीव खरे । सिटी चीफ रायपुर, छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में 24वीं राष्टीय वनवासी क्रीड़ा प्रतियोगिता की तैयारियां तेज हो गई है। आज शबरी कल्याण आश्रम परिसर में बने नयें मंदिर में बूढ़ादेव की प्राण प्रतिष्ठा और साइंस कॉलेज मैदान पर भूमि पूजन से प्रतियोगिता के आयोजन की तैयारियों की शुरूआत हुई। अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम से संम्बद्ध संस्था वनवासी विकास समिति छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित की जा रही यह प्रतियोगिता 27 से 31 दिसम्बर तक राजधानी रायपुर में होगी। प्रतियोगिता में लगभग 23 राज्यों के आठ सौ से अधिक जनजातीय बालक-बालिकाएं भाग लेंगे। प्रतियोगिता में फुटबॉल और तीरंदाजी की प्रतिस्पर्धायें होंगी। फुटबॉल की प्रतिस्पर्धाएं कोटा स्टेडियम और पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय मैदान पर होंगी। इस राष्टीय प्रतियोगिता के लिए सभी तैयारियां तेजी से की जा रही हैं।धरती माता के पूजन और बूढ़ा देव की प्राण प्रतिष्ठा पूजा में अमर बंसल, सचिव स्वागत समिति, डॉ अनुराग जैन सचिव वनवासी विकास समिति, उमेश कच्छप, अध्यक्ष वनवासी विकास समिति छत्तीसगढ़, प्रवीण ढोलके क्षेत्रीय संगठन मंत्री , सुभाष बड़ोले क्षेत्रीय सह संगठन मंत्री, राम नाथ कश्यप प्रान्त संगठन मंत्री, कृष्ण कुमार वैष्णव टी ए सी मेंबर,रवि गोयल,गोपाल बियानी माधवी जोशी, संदीप शर्मा सन एंड सन ग्रुप, कैलाश मुरारका राष्टीय तीरंदाजी संघ उपाध्यक्ष, अजय काले अध्यक्ष महाराष्ट मंडल उपस्थित रहे । वनवासी विकास समिति के प्रचार-प्रसार प्रभाग के प्रभारी राजीव शर्मा ने आज यहां बताया कि देशभर में जनजातीय खेल प्रतिभाओं को राष्टीय मंच प्रदान करने और उन्हें पहचान कर भविष्य के राष्टीय खिलाड़ी तैयार करने के उद्देश्य से यह प्रतियोगिता आयोजित की जाती है। इस बार 24वीं प्रतियोगिता राजधानी रायपुर में हो रही है। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में अण्डमान निकोबार से लेकर दिल्ली, पंजाब तक के लगभग 23 राज्यों से जनजातीय खिलाड़ी शामिल होंगे। तीरंदाजी की प्रतियोगिता जूनियर और सब जूनियर वर्ग में बालक-बालिकाओं के लिए होगी। फुटबॉल प्रतियोगिता में जूनियर सब जूनियर वर्ग में जनजातीय बालक अपने खेल का जौहर दिखाएंगे। उन्होंने बताया कि विभिन्न प्रांतों से प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए रायपुर आने वाले जनजातीय खिलाड़ियों के आवास और भोजन की व्यवस्था वनवासी विकास समिति द्वारा की जा रही है। रोहणीपुरम स्थित शबरी कन्या आश्रम परिसर में बालिकाओं को रखा जाएगा। सरस्वती शिशु मंदिर और सरस्वती शिक्षा संस्थान परिसरों में बालकों के आवास की व्यवस्था रहेगी। सभी के लिए शबरी कल्याण आश्रम परिसर में नास्तें और भोजन की व्यवस्था की गई है। आवास स्थल से खेल मैदान तक आने-जाने के लिए खिलाड़ियों को वाहन व्यवस्था भी उपलब्ध कराई जाएगी। प्रतियोगिता में विजेताओं को मेडल और ट्रॉफी के साथ प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। प्रतियोगिता के आयोजन के लिए छत्तीसगढ़ सहित अन्य राज्यों से भी कल्याण आश्रम के प्रतिनिधि रायपुर आ चुके हैं।

बाबा साहेब के सम्मान में दलित समाज मैदान में

सुनील यादव । सिटी चीफ कटनी, लोकसभा सदन के भीतर देश के गृह मंत्री अमित शाह द्वारा संविधान रचयिता डॉक्टर बाबा भीमराव अंबेडकर के प्रति टिप्पणी की गई जिससे दलित वर्ग आहत हुआ है।इस मुद्दे को लेकर भीम आर्मी बहुजन समाज पार्टी व अन्य दलित समाज के संयुक्त दलों द्वारा राष्टपति के नाम ज्ञापन सौपने रैली लेकर कलेक्ट्रेट पहुँचे औऱ गृह मंत्री अमित शाह का पुतला जलाने प्रयास करते हुए अमित शाह के खिलाफ ज़ोरदार नारो के साथ प्रदर्शन किया। कलेक्ट्रेट मुख्यालय के बाहर बड़ी तादात में पुलिस बल एक जुट रहा और प्रदर्शनकारियों के बीच पुलिस से नोकझोक तक हुई। ज्ञापन में संविधान रचयिता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के प्रति किये गए टिप्पणी पर स्तीफा देने की मांग और कार्यवाही करने की माँग पर अड़े रहे।

कटनी-इंदौर लग्जरी बस में आग

यात्रियों की सूझबूझ से टला बड़ा हादसा

कटनी, कटनी से इंदौर जाने बाली लग्जरी ए सी बस मे देर शाम चांडक चौक ओवर ब्रिज पर ड्राइवर सीट क़े ऊपर लगे बोर्ड मे शार्ट सर्किट से आग लग गयी और बस में बैठे यात्रियों में हड़कंप की स्थिति निर्मित हो गई और सभी को बस से नीचे सुरक्षित उतार लिया गया। यह आग न्यू लोक सेवा लग्जरी बस क्रमांक द्वश्च 09 स्र2 0928 जो की कटनी से इंदौर जा रही थी, तभी ओवर ब्रिज क़े ऊपर अचानक बस से धुआँ उठने लगा। जिससे यात्रियों मे हड़कंप और दहशत फैल गया। सभी यात्री जल्दी जल्दी बस से उतर गए। मौके पर यातायात पुलिस, कोतवाली पुलिस, फायर बिग्रेड का अमला पहुँच गया। आग पर काबू तो पा लिया गया लेकिन यात्री बस से जाने को तैयार नहीं हुए। वही मौके पर पहुंची ट्रैफिक पुलिस ने सभी बस यात्रियों को तुरंत ही ऑटो से से बस स्टैंड के लिए रवाना किया और आग लगी बस को बस स्टैंड के लिए रवाना कर दिया है और पूरे मामले की जांच की जा रही है।

कटनी में दो गुटों में हुआ विवाद

चाकू लगने एक की हुई मौत, आधा दर्जन से अधिक लोग घायल

सुनील यादव। सिटी चीफ कटनी, कटनी ह्यछ्व थाना क्षेत्र में देर शाम दो गुटों में विवाद हो गया जिसमें एक युवक को गंभीर हालत में जिला अस्पताल लेकर पहुंचे कहा के डॉक्टरों ने घायल युवक को मृत घोषित कर दिया वही आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए है जिसका इलाज जिला अस्पताल में इलाज जारी है। वही घटना की जानकारी के बाद जिला अस्पताल में चार थानों के थाना प्रभारी अपने पुलिस बल के साथ पहुंच गई। मृतक युवक का नाम साहिल वंशकार है जिसके मामा ने बताया कि वो शाम को तिलक कॉलेज रोड पर घूम रहा था तभी 5 से 7 लोग आए और लाठी और चाकू से हमला कर दिया ...जिसमे साहिल वंशकार को जायदा चोट लग गई .. और उसे तुरंत ही जिला अस्पताल लाया गया है जहां के डॉक्टरों ने युवक को मृत घोषित कर दिया..वही चाकू से हमला करने वाले युवक घटना को अंजाम देने के बाद मौक़े से फरार हो गए हमला करने वाले युवकों को तलाश में पुलिस जुट गई है घटना की जानकारी लगते ही जिला अस्पताल पहुंचे पुलिस अधीक्षक ने बताया कि साहिल वंशकार नामक युवक की चाकू मारकर हत्या की गई है ..इस संबंध में पूछताछ की जा रही है और पुलिस की टीम रवाना कर दी गई है वही सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा

गांव में लग रहा वाहनों का जाम ग्रामीण है परेशान

दिनभर भारी ओवरलोड डंपरों का रहता है आवागमन

खंडवा।। जावर सहेजला रोड पर गांव में से हर दिन ओवरलोड वाहन गुजरते हैं। गांव में जाम लग जाता है। एवं इससे हादसा होने की आंशका ग्रामीणों को बनी रहती है। ग्रामीण हर समय डरे सहमे रहते हैं। लंबे समय से बायपास मार्ग निर्माण की सख्त जरुरत महसूस की जा रही है। जावर बाजार,मौहल्लों से प्रति दिन ओवरलोड वाहन गुजरते हैं। इससे हादसा होने की आंशका को लेकर ग्रामीण रहवासी, व्यापारी हर समय डरे सहमे रहते हैं। लंबे समय से बायपास मार्ग निर्माण की सख्त जरुरत महसूस की जा रही है।ओवरलोड भारी वाहनों से प्रतिदिन गांव में जाम लग जाता है। इस अनदेखी पर किसी दिन बड़ा हादसा हो सकता है। इसे लेकर ग्रामीणों में रोष है। जावर से सहेजला हरसूद जाने के लिए मुख्य मार्ग गांव में से है। अल सुबह से देर रात तक सैकड़ों वाहन गुजरते हैं। इनमें से कई ओवरलोड होकर गुजरते हैं। इससे लगने वाले जाम से जहां लोगों को बड़ी परेशानी होती है। वहीं हादसे होने का डर सताता है। कुछ दिन पूर्व ही एक डंपर ने सहेजला रोड पर एक मोटरसाइकिल को ठेस मार दी थी एक बच्चे को चोट भी लगी थी। गनीमत रही की कोई हादसा नहीं हुआ। यहां ऐसे और भी कहीं हादसे से हो चुके हैं। परेशान ग्रामीण अनेकों बार प्रशासन को समस्या से अवगत करवाकर ओवरलोड वाहनों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग कर चुके हैं। लेकिन कहीं

पर कोई सुनवाई, समाधान नहीं किया जा रहा है। इससे आमजन में रोष है।

सरपंच अमित मालवीय ने कहा कि पूरे दिन ओवरलोड वाहन गुजरते हैं। दिन भर जाम की स्थिति निर्मित होते रहती है। इससे बड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पूर्व में भी जाम एवं ओवरलोड गांव में से निकल रहे वाहनों की समस्या को लेकर ज्ञापन के माध्यम से प्रशासन को अवगत करा चुके हैं। लेकिन समस्या का कोई निराकरण नहीं निकला है।

राष्ट्रीय किसान दिवस पर आईटीसी चौपाल सागर में किसान संगोष्ठी का आयोजन किया गया

महू-इंदौर- चौपाल सागर गवली पलासिया संचालक जुगनू जादवसिंह धनावत ने बताया राष्ट्रीय किसान दिवस पर आईटीसी चौपाल सागर में किसान संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें किसानों को नई तकनीक से खेती व उपकरणों की जानकारी दी साथ ही आसान किस्तों में महिंद्रा कंपनी के फाइनेंसर द्वारा विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर मुख्य रूप से एग्रीकल्चर ऑफिसर विशम्बर जोशी, आईटीसी प्रभारी इंदरसिंह पटेल, संचालक जुगनू जादवसिंह धनावत, एफ पी ओ राधेश्याम सेठ, केदार मुकाती,अनीष द्विवेदी, मिसबाल खान, शैलेंद्र सिंह, घनश्याम यादव नरेंद्र मीणा, निहालसिंह मीणा इत्यादि सैकड़ो किसान संगोष्ठी में उपस्थित रहे।

दमोह के सत्येंद्र साहू द्वारा लिखित किताब ने करो95 का विमोचन रायपुर मैं सम्पन्न हुआ.

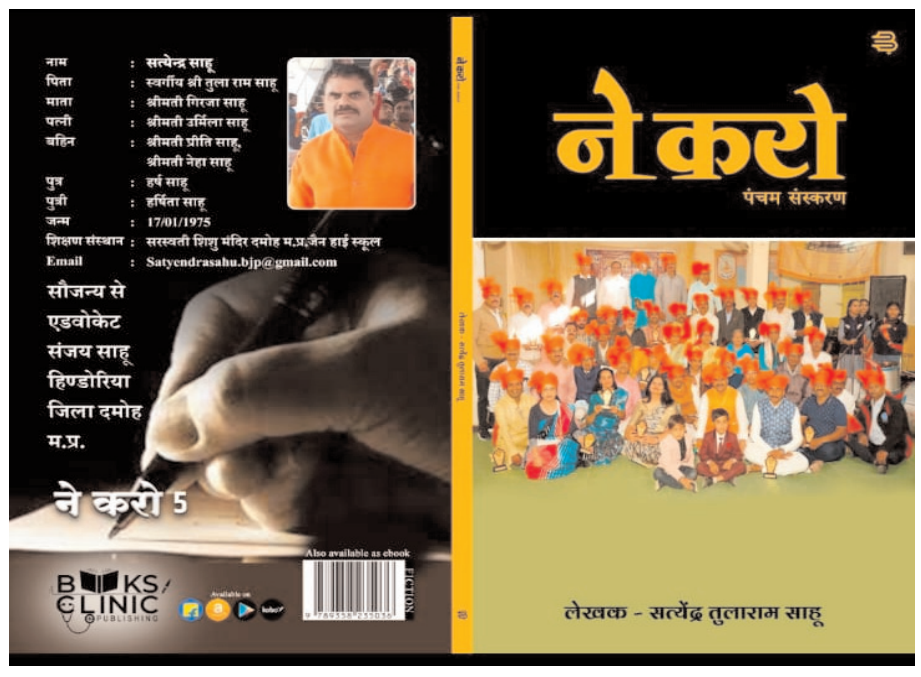

दमोह दमोह के सत्येंद्र साहू के द्वारा लिखित किताब ने करो 9 5 का विमोचन रायपुर मैं भारतीय तेलिक साहू राठौर महासभा के दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन मैं छग पिछड़ा वर्ग आयोग अध्यक्ष केबिनेट मंत्री दर्जा के एल विश्वकर्मा,उत्तर प्रदेश केबिनेट मंत्री दर्जा राकेश गुरु,मप्र तेलघानी बोर्ड अध्यक्ष रविकिरण साहू,पूर्व सांसद चंदुलाल साहू,उत्तरप्रदेश शासन के पिछड़ा वर्ग आयोग सदस्य रमाशंकर साहू,भारतीय तेलिक साहू राठौर महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष उमेशनन्द लाल जी,महिला राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती रेखा दिनेश साहू,संगठन महामंत्री सुनील साहू,छग प्रदेश अध्यक्ष अशोक साहू, महासचिव नरेंद्र साहू, संजय साहू,दिनेश सिललन साहू मप्र से नरेंद्र साहू, पवन साहू के करकमलों से रायपुर मैं सम्पन्न हुआ .ने करो किताब के लेखक सत्येंद्र साहू ने किताब के बारे मैं बताया की नकरात्मक विचारों को सकरात्मक की और कैसे ले जाया सकता नेगेटिव को पोजेटिव की और कैसे जाएँ ने करो किताब के माध्यम से प्रयास किया हैं मेरे द्वारा अभी तक पांच किताब लिखी जा चुकी हैं और छटवी किताब लेखन जारी हैं सभवत: मेरे जन्मदिवस 17 जनवरी पर ने करो 96 लाने की कोशिश कर रहा हूँ. साहू ने सभी से आग्रह करते हुए कहा कि गूगल बुक्स , एमजान,फिलिप कार्ट,ऑन लाइन सर्च कर ने करो किताब प्राप्त कर जरूर पढ़े. सभी अतिथियों ने किताब की सराहना करते हुए साहू को बधाइयां दी. कार्यक्रम मैं 27राज्यों से समाज के प्रतिनिधि उपस्थित थे, युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष एस पी गुप्ता, मुंबई से रतीलाल साहू, अंडमान से संजय साहू, प्रवीण साहू, मध्यप्रदेश से चन्द्रमोहन साहू, ओमकार साहू, नरेंद्र साहू, सिललन साहू, नरेंद्र ब्यावरा,रघुवीर साहू,पवन साहू, नंदकिशोर साहू, मनोज, संतोष मासाब, दिनेश साहू उत्तरप्रदेश से सम्पूर्णनांद जी, बिहार से अभिशेख जी, ललित राठौर, कर्नाटक से विजय जी,छत्तीसगढ़ से रूद्र कर्मा साहू, पंडित घनश्याम साहू, एड अजित राय, दिनु साहू सहित हजारों स्वजातीय बंधुओ की उपस्थिति रही.

मंडल अध्यक्ष महेश परमार का स्वागत किया

कुंदनपुर नवनियुक्त मंडल अध्यक्ष महेश परमार का भाजपा कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों द्वारा स्वागत किया गया ।सोमवार दिनांक-23/12/2024 को भारतीय जनता पार्टी के नव नियुक्त कुंदनपुर मंडल के अध्यक्ष महेश परमार का कार्यकर्ताओ एवं पदाधिकारियो ने फूल माला पहनाकर उनका स्वागत सत्कार किया। मंडल अध्यक्ष महेश परमार ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार का मूल मंत्र सबका साथ सबका विकाश है।प्रधान मंत्री

नरेन्द्र मोदी के मैं नेतृत्व में केंद्र और डॉ मोहन यादव के नेत्तत्व में भाजपा की सरकार है। इसका निर्माण बूथ अध्यक्ष सहित बूथ स्तर पर कार्य करने वाले कार्यकर्ताओ ने किया है। उन्होंने कहा कि मुझे भाजपा संघठन के द्वारा नवीन जिम्मेदारी सोंपी जाने के बाद मुझे बहुत खुशी है कि में इस जिम्मेदारी को अच्छे से निभाऊंगा । साथ ही स्थानीय कार्यकर्ताओं और मेरे अपने भाइयों वरिष्ठ जनों के द्वारा किए गए आत्मीय स्वागत के लिए आप सभी का आभार ।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष की मौजूदगी में डाक्टर भीमराव अम्बेडकर पर अभद्र टिप्पणी व कांग्रेस कार्यालय पर भाजपा नेताओ द्वारा किए पथराव पर इंदौर कमिश्नर को सोपा ज्ञापन

महू-इंदौर- जिला कांग्रेस प्रवक्ता जुगनू जादवसिंह धनावत ने बताया इंदौर में बढ़ती गुंडागर्दी और भाजपा समर्थकों की अराजकता ने शहर की शांति और कानून-व्यवस्था को पूरी तरह से तहस-नहस कर दिया है। हाल ही में कांग्रेस कार्यालय पर हुआ हमला इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। शहर में कानून का राज खत्म होता दिख रहा है, और पुलिस प्रशासन भाजपा के गुंडों के आगे लाचार नजर आ रहा है। जिसमें प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी,पुर्व मंत्री सज्जनसिंह वर्मा, राष्ट्रीय सचिव सत्यनारायण पटेल,पूर्व विधायक अश्विन जोशी, जिला कांग्रेस अध्यक्ष सदाशिव यादव, शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुरजीत सिंह चडा, विपिन वानखेड़े, राजेश चौकसे, चिंटू चौकसे, राधेश्याम पटेल, राजू भदोरिया, देवेंद्र यादव, इत्यादि नेताओं ने उपस्थित होकर विरोध प्रदर्शन किया। व संविधान निर्माता दलितों, पिछड़ों के मसीहा डॉ भीमराव अंबेडकर पर देश के गृह मंत्री अमित शाह द्वारा सदन में की गई अभद्र टिप्पणी और अपमान को लेकर एवम् कांग्रेस कार्यालय गांधी भवन पर भाजपा युवा मोर्चा के असामाजिक तत्त्वों और गुंडों द्वारा किए गए हमले और पथराव को लेकर कांग्रेस पार्टी द्वारा पुलिस आयुक्त कार्यालय का महाघेराव कर राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर महू विधानसभा से जिला पंचायत सदस्य कन्हैयालाल ठाकुर, वरिष्ठ कांग्रेस नेता कैलाशदत्त पांडे, जुगनू जादवसिंह धनावत, शक्तिसिंह गोयल, विजेंद्रसिंह चौहान, जीतू ठाकुर, नारायण पटेल, बैकुंठ पटेल, रमेश जाट,संजय चौहान, अमित अग्रवाल,राजकुमार बागड़ी, मनमोहन गुणावद,अनूप जाट, महेंद्र गोस्वामी,ओम पटेल, शुभम जैन, रोहित ठाकुर, इत्यादि सैकड़ो कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की तबियत बिगड़ी, अस्पताल में हुए भर्ती

इंटरनेशनल डेस्क: अमेरिका के 42वें राष्ट्रपति बिल क्लिंटन को सोमवार को वाशिंगटन के जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर में बुखार और अन्य स्वास्थ्य परीक्षणों के लिए भर्ती कराया गया। उनके डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ एंजेल यूरेना ने कहा कि यह कदम एहतियात के तौर पर उठाया गया है। यूरेना ने बयान में कहा कि पूर्व राष्ट्रपति को जो देखभाल मिल रही है उसके लिए वे आभारी हैं।

बिल क्लिंटन, जिन्होंने जनवरी 1993 से जनवरी 2001 तक अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में दो कार्यकाल पूरे किए पिछले कुछ वर्षों में स्वास्थ्य संबंधी कई चुनौतियों का सामना कर चुके हैं। 2004 में उन्हें बाईपास सर्जरी से गुजरना पड़ा था जब उन्होंने लंबे समय तक सीने में दर्द और सांस लेने में तकलीफ की शिकायत की थी। 2005 में उन्हें फेफड़ों से जुड़ी एक समस्या के लिए सर्जरी करानी पड़ी और 2010 में उनकी कोरोनरी आर्टरी में स्टेंट लगाए गए थे।

अपने स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए क्लिंटन ने शाकाहारी आहार को अपनाया जिससे उनका वजन कम हुआ और उनकी फिटनेस में सुधार हुआ। हालांकि 2021 में उन्हें एक संक्रमण के कारण कैलिफोर्निया में छह दिनों तक अस्पताल में रहना पड़ा। यह संक्रमण यूरिनरी ट्रैक्ट से शुरू होकर ब्लड फ्लो में फैल गया था। उनके सहयोगियों के अनुसार उनकी हालत कभी भी गंभीर नहीं हुई और वे सेप्टिक शॉक की स्थिति में नहीं पहुंचे।

एक डेमोक्रेट नेता के रूप में क्लिंटन ने अपने कार्यकाल के बाद भी राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाई है। हाल ही में उन्होंने शिकागो में आयोजित डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन में हिस्सा लिया था और उप-राष्ट्रपति कमला हैरिस की व्हाइट हाउस दावेदारी के लिए प्रचार किया। अस्पताल के सूत्रों के अनुसार इस बार की अस्पताल में भर्ती को एहतियातन कदम के रूप में देखा जा रहा है। डॉक्टर उनकी स्वास्थ्य स्थिति की निगरानी कर रहे हैं और अभी तक कोई गंभीर जटिलता सामने नहीं आई है।

बिल क्लिंटन का स्वास्थ्य अक्सर चर्चा का विषय रहा ह, और उनकी उम्र (77 वर्ष) को देखते हुए यह सुनिश्चित करने के प्रयास किए जा रहे हैं कि उन्हें बेहतर स्वास्थ्य देखभाल मिलती रहे। उनके प्रवक्ता ने बताया कि क्लिंटन जल्द ही अस्पताल से छुट्टी मिलने की संभावना है।

देश के 45 शहरों में रोज़गार मेला, पीएम मोदी 71000 युवाओं को देंगे नियुक्ति पत्र

इंटरनेशनल डेस्क: चीन की अदालत ने स्कूली बच्चों को कुचलने वाले को मृत्युदंड दिया, सजा पर दो साल रहेगी रोक

चीन की एक अदालत ने पिछले महीने दक्षिणी हुनान प्रांत में प्राथमिक विद्यालय के छात्रों और अभिभावकों की भीड़ को अपनी कार से कुचलने के जुर्म में एक व्यक्ति को सोमवार को मौत की सजा सुनाई। हालांकि, मौत की सजा पर दो साल तक रोक रहेगी। 'चांगडे इंटरमीडिएट पीपुल्स कोर्ट के बयान के अनुसार, लगभग 30 लोगों को कुचलने की घटना के बाद हमलावर हुआंग वेन को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक घायल होने वालों में 18 बच्चे थे। सरकार के आदेशों के बाद सोशल मीडिया पर हमले के वीडियो हटा दिए गए थे और घटना के बारे में सरकारी प्रतिष्ठानों से केवल संक्षिप्त बयान जारी किए गए। अदालत ने हमलावर को मौत की सजा सुनाई लेकिन इस पर दो साल रोक रहेगी। अगर दोषी व्यक्ति सजा पर रोक की अवधि के दौरान कोई और अपराध नहीं करता है तो आम तौर पर मृत्युदंड को आजीवन कारावास में बदल दिया जाता है। अदालत ने कहा कि हुआंग ने 19 नवंबर को निवेश किए गए धन गंवाने के बाद हताशा में अपनी कार से भीड़ को कुचल दिया। एक हथियार से लोगों पर हमला करने के प्रयास के बाद उसे मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। अदालत के बयान में कहा गया है, ''हुआंग वेन के निशाने पर मुख्यतः प्राथमिक विद्यालय के छात्र थे। उसके आपराधिक इरादे बेहद घृणित थे। हुआंग के हमले के एक सप्ताह पहले दक्षिणी झुहाई शहर में एक व्यक्ति ने खेल परिसर में अभ्यास कर रहे लोगों को वाहन से कुचल दिया था, जिसमें 35 लोगों की मौत हो गई थी और कई लोग घायल हो गए थे।

2030 तक दिखेंगे बदलाव के ऐतिहासिक पड़ाव

भारत तेजी से वैश्विक आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर

भारत एक बड़े आर्थिक परिवर्तन के कगार पर है, जो उसे वैश्विक स्तर पर नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। आर्थिक सुधार, रणनीतिक पहल और विभिन्न क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर प्रोजेक्ट्स के साथ, भारत 2027 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और 2030 तक 7 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लिए तैयार है। यह महत्वाकांक्षी यात्रा आधुनिक बुनियादी ढांचे, तकनीकी नवाचारों और नागरिकों के जीवन स्तर को सुधारने पर केंद्रित एक स्पष्ट दृष्टि का परिणाम है। 2030 तक, भारत केवल एक आर्थिक महाशक्ति ही नहीं बल्कि सतत विकास और तकनीकी उन्नति का भी अग्रणी देश बन जाएगा।

भारत की पिछले दशक की आर्थिक वृद्धि असाधारण रही है। 2024 में 3.8 ट्रिलियन डॉलर की जीडीपी 2030 तक 7 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। इस दौरान भारत की प्रति व्यक्ति आय भी 70% से अधिक बढ़कर 2,700 डॉलर से 4,660 डॉलर हो जाएगी। निर्यात भारत की आर्थिक वृद्धि का अहम स्तंभ होगा। 2024 में 778 बिलियन डॉलर से बढ़कर 2030 तक यह 2 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है। मेक इन इंडिया और प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव जैसी योजनाओं के तहत भारत को वैश्विक निर्माण केंद्र में बदलने और रोजगार सृजित करने का लक्ष्य है।भारत का परिवहन ढांचा तेजी से बदल रहा है। रेलवे, विमानन और सड़क नेटवर्क में बड़े सुधार हो रहे हैं। 2030 तक भारतीय रेलवे 100% विद्युतीकरण हासिल करने का लक्ष्य लेकर चल रहा है। हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर बड़े शहरों को जोड़कर यात्रा को आसान और तेज बनाएंगे।

2024 में 157 हवाई अड्डों से बढ़ाकर 2030 तक 200 से अधिक हवाई अड्डे बनाए जाएंगे। इससे व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। भारत 2030 तक 1 लाख किमी से अधिक राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण करेगा। भारतमाला प्रोजेक्ट के तहत क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को बेहतर बनाया जाएगा। इलेक्ट्रिक वाहनों का तेजी से विस्तार हो रहा है। 2030 तक भारत का परिवहन क्षेत्र इलेक्ट्रिक वाहनों पर आधारित होगा, जिससे प्रदूषण कम होगा और शहरी आवागमन टिकाऊ बनेगा। स्मार्ट सिटी मिशन के तहत 2030 तक 100 से अधिक शहरों को आधुनिक और पर्यावरण अनुकूल बनाया जाएगा। इन शहरों में ऊर्जा कुशल भवन, स्मार्ट परिवहन प्रणाली और अपशिष्ट प्रबंधन जैसी सुविधाएं होंगी।

डिजिटल इंडिया पहल के तहत 2030 तक देश के हर कोने तक हाई-स्पीड इंटरनेट पहुंचाने का लक्ष्य है। यह पहल ई-कॉमर्स, फिनटेक, एजुकेशन और डिजिटल हेल्थ सेक्टर को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी। भारत 2030 तक सौर और पवन ऊर्जा के उत्पादन में अग्रणी बन जाएगा। सरकार ने 2070 तक नेट जीरो उत्सर्जन का लक्ष्य रखा है। हरित ऊर्जा में यह क्रांति रोजगार के नए अवसर पैदा करेगी और पर्यावरण की रक्षा करेगी।2030 तक, भारत न केवल एक आर्थिक शक्ति बनेगा बल्कि सतत विकास और नवाचार में भी विश्व का नेतृत्व करेगा। यह परिवर्तन देश के नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाएगा और भारत को वैश्विक मंच पर एक मजबूत स्थान दिलाएगा।

क्रेमलिन के नए बयान ने चौंकाया

असद की पत्नी के तलाक मामले में रूस का बड़ा खुलासा

इंटरनेशनल डेस्क:ब्रिटिश मूल की असमा अल-असद, जो सीरिया के पूर्व राष्ट्रपति बशर अल-असद की पत्नी ने तलाक के मामले में रूस ने बड़ा खुलासा किया है। क्रेमलिन ने नए बयान में कहा कि असद की पत्नी ने तलाक के लिए कोई अर्जी नहीं दी है। रूस में क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने इन खबरों को खारिज करते हुए कहा कि यह सच्चाई से कोसों दूर हैं। क्रेमलिन के प्रवक्ता इस बयान ने दुनिया को चौंका दिया है।

क्या है मामला?

तुर्की मीडिया में यह खबरें आई थीं कि असमा अल-असद ने अपने पति से तलाक की अर्जी दी है और वह रूस छोड़कर लंदन वापस जाना चाहती हैं। इन खबरों के अनुसार, असद दंपत्ति को मास्को में कड़े प्रतिबंधों के तहत रखा गया है और उनके संपत्ति अधिकार भी फ्रीज कर दिए गए हैं। हालांकि, पेस्कोव ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, यह पूरी तरह गलत है। उन्होंने यह भी खारिज किया कि बशर अल-असद को मास्को में सीमित कर दिया गया है या उनकी संपत्तियों को जब्त कर लिया गया है।

असद परिवार की मौजूदा स्थिति

2011 में सीरिया में शुरू हुए गृहयुद्ध के दौरान रूस ने असद शासन का समर्थन किया था। लेकिन विद्रोही समूहों द्वारा दमिश्क पर कब्जे के बाद, बशर अल-असद और उनका परिवार रूस में शरण लेने पर मजबूर हुआ। असमा अल-असद, जो सीरियाई और ब्रिटिश नागरिकता रखती हैं, लंदन में जन्मी और पली-बढ़ी हैं। लेकिन ब्रिटिश विदेश मंत्री डेविड लैमी ने पहले ही साफ कर दिया है कि असमा अल-असद पर प्रतिबंध हैं और उन्हें ब्रिटेन में लौटने की अनुमति नहीं दी जाएगी। लैमी ने संसद में कहा, वह एक प्रतिबंधित व्यक्ति हैं और ब्रिटेन में उनका स्वागत नहीं है। मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि असद परिवार का कोई भी सदस्य ब्रिटेन

हसीना की भारत से प्रत्यर्पण की मांग के बाद बेटे साजेब का बड़ा बयान

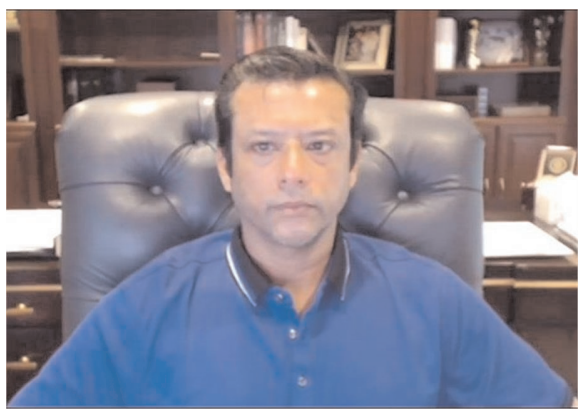

इंटरनेशनल डेस्क:बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की भारत से प्रत्यर्पण की मांग के बाद उनके बेटे साजेब वाजेद ने इस कार्रवाई को राजनीतिक बदले की कार्रवाई और न्याय का हनन करार दिया। उन्होंने इसे एक कंगारू अदालत की संज्ञा दी, जहां न्याय की बजाय राजनीतिक विरोधियों को निशाना बनाया जा रहा है। बांग्लादेश सरकार ने शेख हसीना के प्रत्यर्पण के लिए भारत को औपचारिक कूटनीतिक अनुरोध भेजा है। इस संबंध में भारत के विदेश मंत्रालय ने अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। पूर्व विदेश सलाहकार तौहीद हुसैन ने कहा, हमने भारत को शेख हसीना को न्यायिक प्रक्रिया के लिए वापस लाने का अनुरोध किया है।

साजेब वाजेद ने क्या कहा?

साजेब वाजेद ने बयान में कहा, कंगारू अदालत और उसके बाद प्रत्यर्पण की मांग उस समय की गई है, जब सैकड़ों नेताओं और कार्यकर्ताओं को गैर-न्यायिक हत्याओं का शिकार बनाया जा रहा है। इनपर झूठे हत्या के आरोप लगाए जा रहे हैं, हजारों लोगों को अवैध रूप से जेलों में बंद किया गया है, और शासन के इशारे पर हिंसक हमले किए जा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, डॉ. मुहम्मद यूनुस की अगुवाई वाली सरकार द्वारा स्थापित इस न्यायाधिकरण का उद्देश्य सिर्फ अवामी लीग के नेतृत्व को दबाना है।

यह राजनीतिक विद्वेष की पराकाष्ठा है। साजेब वाजेद ने इसे हास्यास्पद बताते हुए कहा कि ढ्ढष्टञ्ज ट्रिब्यूनल के मुख्य अभियोजक ताजुल इस्लाम ने झूठा दावा किया था कि शेख हसीना के खिलाफ इंटरपोल ने रेड नोटिस जारी किया है। बाद में मीडिया द्वारा गलत जानकारी उजागर होने पर उन्होंने अपना बयान बदल दिया। अब औपचारिक रूप से भारत को प्रत्यर्पण का अनुरोध भेजा गया है।

पाकिस्तान की वैश्विक बेइज्जती, खाड़ी देश वीजा देने से कर रहे इंकार

इंटरनेशनल डेस्क: पाकिस्तान गंभीर आर्थिक संकट, बढ़ती महंगाई, और बेरोजगारी के दौर से गुजर रहा है। देश के युवाओं के पास रोजगार के अवसर नहीं हैं, और अर्थव्यवस्था पूरी तरह से चरमराई हुई है। इसी बीच, खाड़ी देशों से एक और बड़ा झटका सामने आया है—सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात ने पाकिस्तानी नागरिकों को वीजा देने से इनकार कर दिया है। पाकिस्तानी नागरिकों के प्रति खाड़ी देशों का रवैया अब कड़ा हो गया है। इसके पीछे कई प्रमुख कारण हैं। खाड़ी देशों के नियोक्ता पाकिस्तानी श्रमिकों के काम और व्यवहार से नाखुश हैं।

पाकिस्तानी नागरिकों पर भीख मांगने, मानव तस्करी, और मादक पदार्थों की तस्करी जैसे गंभीर आरोप लगते रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तानी श्रमिकों की छवि खाड़ी देशों में लगातार खराब हो रही है। हर साल करीब 8 लाख पाकिस्तानी खाड़ी देशों में काम की तलाश में वीजा के लिए आवेदन करते हैं। दुबई और अबू धाबी जैसे शहर हमेशा से उनकी पसंदीदा जगह रहे हैं। लेकिन हालिया प्रतिबंध ने उनके सपनों पर पानी फेर दिया है। पाकिस्तान पहले सऊदी और UAE जैसे मुस्लिम देशों से खैरात पर निर्भर था। लेकिन अब हालात इतने खराब हो गए हैं कि ये देश पाकिस्तान से दूरी बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

मुस्लिम ब्रदरहुड के नाम पर मिलने वाली मदद अब लगभग बंद हो चुकी है। अपराध और खाड़ी देशों में पाकिस्तानी नागरिकों पर भीख मांगने और अन्य अपराधों में शामिल होने के आरोपों ने उनकी छवि को नुकसान पहुंचाया है। खाड़ी देशों के लोग और नियोक्ता पाकिस्तानी श्रमिकों के व्यवहार से असंतुष्ट हैं। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था कई सालों से गिरावट का शिकार है। सरकार चाहे किसी भी पार्टी की रही हो, देश हमेशा कर्ज और सहायता पर निर्भर रहा है।

देश की आर्थिक स्थिति इतनी खराब है कि अधिकारी और मंत्री भीख मांगने के लिए विभिन्न देशों और बैंकों के चक्कर काट रहे हैं। अर्थव्यवस्था पूरी तरह से ICU में है, और सुधार के कोई संकेत नजर नहीं आ रहे। खाड़ी देशों का यह फैसला पाकिस्तान के लिए एक बड़ा झटका है। न केवल श्रमिकों के रोजगार पर असर पड़ेगा, बल्कि यह देश की पहले से बिगड़ी छवि को और खराब करेगा।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569